दैनिक जयन्त
स्थापित : 1979
संस्थापक
स्व0 श्री नरेन्द्र उनियाल
वर्ष-45, अंक 83
कोटद्वार मंगलवार
18 जुलाई 2023, पृष्ठ-8

गढ़वाल जनपद का प्रथम दैनिक

जयन्त

निर्भीक-निष्पक्ष-जनसरोकार

खबर बड़ी होती है, अखबार नहीं
दैनिक जयन्त
www.dainikjayantnews.com

कोटद्वार एवं गैरसैंण से प्रकाशित डाक पंजीयन यू.ए./पी.ए.ओ.07-2021-23 फोन नं0 01382-222383, मो0 नं0 8384897348, 9412081969 e-mail : dainikjayant@rediffmail.com, nagendra.uniyal@gmail.com मूल्य-2 रुपये

सीबीआई कोर्ट का फैसला, हरीश रावत और हरक सिंह को देने होंगे वॉयस सैंपल, नोटिस जारी

देहरादून। उत्तराखंड के बहुचर्चित स्टिंग प्रकरण को लेकर आज सोमवार को सीबीआई कोर्ट ने सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत और पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत को वॉयस सैंपल देने का फैसला सुनाया। इसके लिए उन्हें नोटिस जारी कर दिए गए हैं।अधिवक्ता मनमोहन कंडवाल ने बताया कि विधायक उमेश शर्मा और मदन बिष्ट को भी नोटिस जारी किए जाएंगे लेकिन, संवैधानिक पद पर होने के कारण सीबीआई को पहले पूरी प्रक्रिया अपनानी होगी। अब सीबीआई अपने स्तर से वॉइस सैंपल लेने का समय तय करेगी।

एक साल में 18 हजार पॉलीहाउस बनाने का लक्ष्य, एक लाख लोगों को मिलेगा रोजगार : धामी

मुख्यमंत्री ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को निरंजनपुर, देहरादून स्थित नवीन मंडी में आयोजित कार्यक्रम में कृषि के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाले किसानों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मण्डी से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए जो भी सुझाव प्राप्त हुए हैं, उनका परीक्षण कराकर प्रस्ताव बनाये जायेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुआंवाला-डोईवाला मार्ग पर दण्डेश्वर मंदिर का सौन्दर्यीकरण किया जायेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने वृक्षारोपण कर लोगों को वृक्षारोपण के लिये प्रेरित भी किया। उन्होंने कहा कि सगंध खेती को बढ़ावा देने के लिए 06 ऐरोमा वैली विकसित की जा रही हैं। काशीपुर में ऐरोमा पार्क बनाया जा रहा है। राज्य में कलस्टर आधारित खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। 01 साल में 18 हजार पॉलीहाउस बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इससे एक लाख लोगों का रोजगार उपलब्ध होगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हजारों की संख्या में आये किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 21वीं सदी का भारत पूरी दुनिया को दिशा देने का कार्य कर रहा है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की भावना से कार्य हो रहे हैं। उनकी प्रेरणा से कृषि के क्षेत्र में तमाम अनुसंधान हो रहे हैं। 'वोकल फॉर लोकल' को बढ़ावा दिया जा रहा है। राज्य में भी 'एक जिला और दो उत्पाद' पर कार्य किया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों से यह वर्ष अन्तरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। हमारे श्री अन्न को वैश्विक स्तर पर पहचान मिली है। नवाचार के क्षेत्र में देश में अनेक कार्य हो रहे हैं। स्वरोजगार के प्रति लोगों का रूझान बढ़ा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि क्षेत्र देश की बैक बोन की तरह है। देश को मजबूती से आगे बढ़ाने में हमारे किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। किसानों को सशक्त बनाने के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा अनेक योजनाएं चलाई जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में किसानों को तीन लाख और महिला स्वयं सहायता समूहों को पांच लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण दिया जा रहा है। फार्म मशनरी बैंक के तहत 80 प्रतिशत की सब्सिडी दी जा रही है। एप्पल, कीवी, तेजपत्ता, तिमूर मिशन पर कार्य किये जा रहे हैं। इस अवसर पर विधायक विनोद चमोली, खजानदास, श्रीमती सविता कपूर, मेयर सुनील उनियाल गामा, भाजपा के महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल, भाजपा नेता अनिल गोयल, अध्यक्ष मण्डी समिति कुलदीप बुटोला, उपाध्यक्ष त्रिलोक सिंह बिष्ट, किसान मोर्चा के अध्यक्ष योगेंद्र सिंह पुंडीर आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी किसान को सम्मानित करते हुए।

कृषि कार्य को दी भूमि पर खनन कैसे हो रहा : हाईकोर्ट

नैनीताल। हाईकोर्ट ने हरिद्वार जिले के मुजफ्फरपुर मौजां वन ग्राम में वन भूमि पर हो रहे अवैध खनन मामले में दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति विपिन सांघी व न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की खंडपीठ ने सुनवाई के दौरान प्रश्न किया कि जब यह भूमि कृषि कार्य के लिए दी थी तो इसमें खनन कैसे हो रहा है। संबंधित खनन अधिकारी क्या कर रहे हैं, इस पर जवाब दें। मामले की अगली सुनवाई के लिए 24 जुलाई की तिथि नियत की है।मामले के अनुसार हरिद्वार निवासी सामाजिक कार्यकर्ता धर्मवीर सैनी की ओर से जनहित याचिका दायर की गई है। जिसमें कहा गया है कि वन विभाग की ओर से मुजफ्फरपुर मौजां गांव के 59 लोगों के परिवारों को 55 हेक्टेयर वनभूमि कृषि कार्य के लिए दी गई थी।

पूर्वी नयार नदी में डूबने से दो युवतियों की मौत

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार/सुतपुली : सतपुली तहसील क्षेत्र के अन्तर्गत दंगलेश्वर महादेव मंदिर में एक बड़ा हादसा हो गया। मंदिर में जलाभिषेक करने पहुंचीं दो युवतियों की पूर्वी नयार में डूबने से मौत हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से राजस्व व पुलिस प्रशासन ने रेस्क्यू भी चलाया, लेकिन दोनों युवतियों को बचाया नहीं जा सका। राजस्व पुलिस द्वारा पंचनामा की कार्यवाही की जा रही है।

पुलिस के अनुसार सोमवार सुबह जलाभिषेक करने मंदिर पहुंचीं युवतियां नहाने के लिए पूर्वी नयार नदी में चली गईं, लेकिन यहां पैर फिसलने के कारण दोनों नदी में बह गई। सतपुली थाने में सुबह लगभग 6 बजे युवतियों के पूर्वी नयार नदी में बहने की सूचना मिली। हादसे के बाद यहां अफरा-तफरी का माहौल रहा। सतपुली के थाना प्रभारी लाखन सिंह ने बताया कि ये दोनों युवितयां दंग्लेश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक करने आई थी। जलाभिषेक से पहले पूर्वी नयार नदी में नहाते समय उनका पैर फिसल गया और दोनों ही नदी के तेज बहाव में बह गई। दोनों को दंग्लेश्वर महादेव मंदिर से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर सतपुली पौड़ी हाईवे पुल के पास से स्थानीय लोगों की मदद से रेस्क्यू कर निकाला गया। इसके बाद दोनों युवतियों को स्वास्थ्य केंद्र सतपुली भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। युवतियों की पहचान रुबी उर्फ सरोज 24 साल पुत्री श्याम सिंह रावत निवासी ओडलसैंण और अदिति उर्फ सोनी 15 साल पुत्री निर्मल सिंह, निवासी चैलूसैंण (द्वारीखाल) के रूप में हुई है। बताया कि अदिति हाल में अपने ननिहाल ओडलसैंण आई थी। रेस्क्यू में थाना प्रभारी के साथ ही एएसआई जगदीश सिंह, विजय नौटियाल, संजय पाल और सुदामा प्रसाद सहित राजस्व कार्मिक और बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों के साथ ही तैराक गणेश, सौरभ, सहदेव और मोहन ने भी सहयोग किया।

अंकिता भंडारी हत्याकांड : सरकारी वकील ने दिया त्यागपत्र, 27 को होगी गवाही

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : अंकिता हत्याकांड की सुनवाई एडीजे कोर्ट ने सोमवार को टाल दी। अब कोर्ट में 27 जुलाई को गवाही होगी। दरअसल, केस से सरकारी वकील (विशेष लोक अभियोजक) जितेंद्र रावत ने त्यागपत्र दे दिया है। जिसके चलते अभी तक नए वकील की तैनाती नहीं हो पाई है। इसलिए कोर्ट ने सुनवाई को 27 जुलाई तक के लिए टाला है।

कोर्ट में आज गवाही के लिए अंकिता के दोस्त पुष्पदीप को बुलाया गया था। पुष्पदीप अदालत में हाजिर हुआ, लेकिन सुनवाई टलने की वजह से उसकी गवाही नहीं हो सकी। अब वह दोबारा कोर्ट में पेश होगा। बता दें कि अंकिता हत्याकांड को करीब 10 माह का समय हो गया है। मामले की सुनवाई एडीजे कोर्ट में चल रही है। इसी दौरान एक जून को अंकिता के माता-पिता ने मामले की सुनवाई ठीक से न करने का आरोप लगाते हुए केस से सरकारी वकील (विशेष लोक अभियोजक) जितेंद्र रावत को हटाने की मांग की थी।

यह था पूरा मामला

बता दें कि 18 सितंबर की रात को वनंत्रा रिजॉर्ट के मालिक पुलकित आर्य ने राजस्व पुलिस चौकी में अपनी कर्मचारी अंकिता भंडारी के गुमशुदा होने की शिकायत दर्ज कराई थी। करीब तीन दिनों तक इस मामले की ढिलाई से जांच की गई। इसके बाद शासन के निर्देश पर मामले को रेगुलर पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने पुलकित आर्य, मैनेजर सौरभ भास्कर और अंकित से सख्ती से पूछताछ की तो उन्होंने सारी बात उगल दी। पता चला कि पुलकित और अंकिता के बीच झगड़ा हुआ था। ऋषिकेश से लौटते वक्त अंकिता और पुलकित के बीच नहर किनारे फिर से विवाद हुआ और इस बीच पुलकित ने अंकिता को नहर में धक्का दे दिया था। पुलिस ने इस मामले में 22 सितंबर को पुलकित, अंकित और सौरभ को गिरफ्तार कर लिया था।

पौधरोपण से मिलेगा स्वच्छ पर्यावरण और उभरते जल संकट से मिलेगी निजात :डीएम

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के लिए समर्पित लोकपर्व हरेला के अवसर पर पूरे जनपद में व्यापक स्तर पर पौधारोपण अभियान शुरू किया गया। वन प्रभाग के तत्वाधान में प्रसार प्रशिक्षण केन्द्र रौली ग्वाड़ में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिलाधिकारी हिमांशु खुराना सहित जिले तमाम वरिष्ठ अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने हरेला पर्व पर पौधारोपण किया। इस दौरान अखरोट, अनार, चूरा, हरड़, वहेडा, चंदन आदि विभिन्न प्रजाति के फलदार एवं सजावटी पौधे लगाकर उनके संरक्षण का संकल्प लिया गया। जनपद में सभी वन पंचायतों में भी हरेला पर्व पर पौधारोपण अभियान का आगाज हुआ।

जिलाधिकारी ने पूरे जनपद वासियों को हरेला पर्व की शुभकामनाएं दी। उन्होंने हरेला महोत्सव पर सभी से पौधरोपण करने और उनके संरक्षण के लिए संकल्प लेने की बात कही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग से आज पूरी दुनिया चिंतित है। जलवायु परिवर्तन और इसके विनाशकारी प्रभावों से निपटने के लिए पेड़ पौधे मददगार साबित होते है। पौधरोपण से जहां एक ओर हमें स्वच्छ पर्यावरण मिलेगा वहीं उभरते जल संकट से भी निजात मिलेगी। उन्होंने सबसे अपील करते हुए कहा कि प्राकृतिक जलस्त्रोतों, नदी एवं सरोवरों के आसपास वृहद स्तर पर पौधरोपण करते हुए उनका संरक्षण भी किया जाए।बद्रीनाथ उप वन संरक्षक सर्वेश कुमार दुबे ने कहा कि हरेला पर्व पर फलदार एवं वन प्रजाति दोनों प्रकार के पौधों लगाए जा रहे है। वन विभाग के माध्यम से प्रत्येक वन पंचायत को 75 पौध निःशुल्क दी जा रही है। इसके अतिरिक्त कृषि, उद्यान, पशुपालन, मत्स्य, जल संस्थान, शिक्षा सहित अन्य तमाम विभागों के सहयोग से पूरे जनपद में वृहद स्तर पर पौधरोपण कार्यक्रम शुरू किया गया है। हरेला महोत्सव के शुभारंभ के अवसर पर अपर जिलाधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, सामाजिक कार्यकर्ता डीपी पुरोहित, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष रघुवीर सिंह बिष्ट ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए हरेला महोत्सव के दौरान अधिक से अधिक पौधारोपण और पौधे के संरक्षण पर जोर दिया। इस दौरान जीजीआईसी गोपेश्वर की छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी।

पहाड़ की संस्कृति से जुड़ा है हरेला पर्व : माहरा

नई टिहरी : कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा के साथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने देवप्रयाग स्थित लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह परिसर में पौधरोपण कर हरेला पर्व मनाया। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हरेला पर्व पहाड़ की संस्कृति जुड़ा है। उन्होंने कांग्रेसियों से अपने आसपास पास खाली पड़ी भूमि पर पौधरोपण करने की अपील की। वहीं, घनसाली में चिपको आंदोलन के प्रेणेता एंव प्रसिद्ध पर्यावरणविद्व स्व. सुंदरलाल बहुगुणा के नव जीवन मंडल आश्रम सिल्यारा में वरिष्ठ नागरिक समिति एवं पर्यावरण से जुड़े लोगों ने हरेला पर्व पर पौधरोपण किया। आश्रम संचालक त्रिलोचन घिल्डियाल और वरिष्ठ नागरिक समिति के अध्यक्ष सीएस पोखरियाल ने स्व. बहुगुणा की याद में चुरू के पौधे रोपकर उनके संरक्षण का संकल्प लिया। (एजेंसी)

श्रद्धालुओं ने गंगा में लगायी आस्था की डुबकी

ऋषिकेश। श्रद्धालुओं ने सोमवार को सोमवती अमावस्या पर गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर सुख–समृद्धि की कामना की। सुबह से ही गंगातट पर श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। गंगा स्नान के बाद भगवान सूर्य और विष्णु की आराधना की। मंत्रोच्चारण के साथ श्रद्धालुओं ने घाट पर जल अर्पित कर पूजन किया तथा जरूरतमंदों को अनाज और वस्त्र दान किए। ऋषिकेश में सोमवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान किया। त्रिवेणीघाट समेत विभिन्न स्नानघाटों पर श्रद्धालु परिवार के साथ स्नान पूजन को पहुंचे। भगवान सूर्य को जल अर्पित कर उन्होंने परिवार के सुख–समृद्धि की कामना की। सोमवती अमावस्या पर प्रमुख मार्गों पर मेले जैसा माहौल दिखा। स्नान के बाद भक्तों ने जरूरतमंदों को अनाज व वस्त्र दान किए। कई भक्त अपने साथ छोटे बच्चों को वितरित करने के लिए पेंसिल व किताबें लेकर आए। कुछ श्रद्धालुओं ने पूजन कर बच्चों का विधि विधान से मुंडन कराया। पुरानी मान्यता है कि ज्येष्ठ की अमावस्या पर गंगा स्नान करने से देवता खुश होते हैं। आज भक्तों ने भगवान सत्यनारायण व्रत कथा का श्रवण कर अपने परिवार की सुख समृद्धि एवं धन धान्य की कामना की। श्रद्धालुओं ने पुरोहितों को दान पुण्य भी किया एवं गरीबों को भोजन भी कराया। सोमवती अमावस्या के चलते सोमवार को सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए थे। सीओ ऋषिकेश संदीप नेगी ने बताया कि बीते रोज जलस्तर बढ़ने के बाद से ही सुरक्षा की दृष्टि से गंगा तट पर जवान तैनात किए गए थे। सुरक्षित घाटों पर ही लोगों को स्नान करने दिया गया। बताया कि विभिन्न घाटों पर दिनभर में एक लाख से अधिक ने स्नान किया।

स्वास्थ्य सुविधाओं का 25 साल का रोडमैप बनाए एम्सः धनसिंह

ऋषिकेश। कैबिनेट मंत्री डा. धन सिंह रावत ने कहा कि प्रदेश सरकार को स्वास्थ्य के क्षेत्र में एम्स ऋषिकेश से बहुत ही अपेक्षाएं हैं। ऐसे में एम्स प्रशासन को इस क्षेत्र में बेहतर कार्य करने और लोगों तक स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाने के लिए अगले 25 साल का रोडमैप तैयार करना चाहिए। सोमवार को एम्स ऋषिकेश में कैबिनेट मंत्री डा. धन सिंह रावत ने एम्स के अधिकारियों संग बैठक की। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने काला ज्वर और एनीमिया मुक्त भारत बनाने के लिए राज्य के स्वास्थ्य मंत्रालय को भी लक्ष्य सौंपे हैं। इसके अन्तर्गत राज्य के प्रत्येक मेडिकल कॉलेज को कुछ जनपद सौंपे जाने हैं। जिसके तहत हरिद्वार जनपद की जिम्मेदारी लेने के लिए उन्होंने एम्स से अपेक्षा जतायी। कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में राज्य को एम्स ऋषिकेश से बहुत अपेक्षाएं हैं। ऐसे में एम्स प्रशासन को चाहिए कि स्वास्थ्य सुविधाओं की दृष्टि से वह अगले 25 वर्षों का रोडमैप तैयार करे। राज्य के सभी सरकारी मेडिकल कॉलेज के छात्र–छात्राओं को लाभ मिले, इसके लिए ई–ग्रन्थालय की स्थापना तथा फैकल्टी एक्सचेंज प्रोग्राम तैयार किया जा रहा है। उन्होंने एम्स के सहयोग और इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) की सूची में देश के सभी एम्स संस्थानों में एम्स ऋषिकेश को चौथा स्थान मिला है, जो राज्य के लिए गौरव की बात है। इस दौरान उन्होंने एम्स परिसर में पौधरोपण भी किया।

इस मौके पर एम्स की कार्यकारी निदेशक प्रोफेसर मीनू सिंह, डीन एकेडेमिक प्रो. जया चतुर्वेदी, चिकित्सा अधीक्षक प्रो. संजीव कुमार मित्तल, उप निदेशक प्रशासन कर्नल राकेश कुमार, रजिस्ट्रार राजीव चौधरी, विधि अधिकारी प्रदीप चन्द्र पाण्डेय, अधीक्षण अभियन्ता लेफ्टिनेंट कर्नल राजेश जुयाल, प्रशासनिक अधिकारी गौरव बडोला,डा. विनोद कुमार, डा. अनीसा आतिफ आदि उपस्थित रहे।

गैंगस्टरों ने जमीन पर मांगी लाखों की रंगदारी

देहरादून। गैंगस्टरों के आरोपी तीन लोगों ने एक व्यक्ति को जमीन पर निर्माण कराने से पहले लाखों रूपये की रंगदारी मांगी है। आरोप है कि पीड़ति पर वह मनमाने दाम पर उन्हें जमीन बेचने का दबाव भी बना रहे हैं। ऐसा न करने पर जान से मारने की धमकी दी जा रही है। आरोपी पीड़ति से दो साल पहले भी रंगदारी में सत्तर लाख रूपये ले चुके हैं। एसओ रायपुर जितेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि पुनीत सिंह धनोला निवासी बलवीर रोड, डालनवाला की मजाड़ा में जमीन है। हाल में उन्होंने मौके पर निर्माण की तैयारी की। आरोप है कि इस दौरान गैंगस्टर के केस के आरोपी प्रेम सिंह पयाल निवासी सिलकोटी, सुरेश नेगी निवासी सरोना और राजेंद्र सिंह नेगी निर्माण न करने की धमकी दे रहे हैं। आरोप है कि जमीन को ओने–पौने दाम पर बेचने का दबाया बनाया। पीड़ति ने मना किया तो रंगदारी मांगी जा रही है। ऐसा न करने पर जान से मारने की धमकी दे रहे हैं।

नई टाउनशिप योजना के विरोध में सड़क पर उतरेगी कांग्रेस

ऋषिकेश। डोईवाला में नई इंटीग्रेट टाउनशिप बसाने की योजना को लेकर कांग्रेसियों ने नाराजगी जताई। कांग्रेस ने सरकार पर हिटलरशाही का आरोप लगाया। उन्होंने इसके खिलाफ उग्र आंदोलन करने की बात कही। सोमवार को डोईवाला नगर कांग्रेस ने हंसुवाला में क्षेत्रीय मुद्दों को लेकर नुक्कड़ सभा का आयोजन किया। कांग्रेस ज़िलाध्यक्ष मोहित उनियाल ने कहा कि आज देश में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार अहम मुद्दे हैं। इन मुद्दों को लेकर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। प्रदेश सरकार द्वारा डोईवाला के निकट माजरीग्राम, मारखमग्रांट और अन्य क्षेत्रों में इंटीग्रेट टाउनशिप बसाने की योजना बनाई गई है। इस खबर से क्षेत्रीय जनता में डर का माहौल बना हुआ है। अगर ग्रामीण अपनी निजी ज़मीन नहीं देना चाहते हैं तो किसी भी हालात में भूमि अधिग्रहण नहीं करने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इस हिटलरशाही योजना के खिलाफ जल्द उग्र आंदोलन किया जाएगा। नगर अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि आगामी नगरपालिका चुनावों के लिए वार्ड व बूथ स्तर पर संगठन का विस्तार किया जा रहा है। संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत करना व जनता से जुड़े मुद्दों पर संघर्ष करना हमारी प्राथमिकता में है। कार्यक्रम संयोजक साकिर हुसैन ने कहा कि जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर जनता को जागरूक करने के साथ घर–घर जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है।

सहसपुर विधायक पुंडीर ने किया लोकपर्व हरेला पर क्षेत्रवासियों व जन प्रतिनिधियों संग वृक्षारोपण

विकासनगर। प्रकृति संरक्षण को समर्पित उत्तराखंड के लोकपर्व हरेला पर सहसपुर विधायक सहदेव सिंह पुंडीर ने ग्राम सुद्धोवाला बूथ संख्या 122 पर, ग्राम झाझरा में बूथ संख्या 128 पर स्थित राजकीय रेशम फार्म में, नगर पंचायत सेलाकुई के बूथ संख्या 111 वाल्मीकि बस्ती में और ग्राम अटकफार्म, खैरी स्थित काहनचंद वोहरा सरस्वती शिशु विद्या मंदिर बूथ संख्या 101 में क्षेत्रवासियों व जन प्रतिनिधियों संग वृक्षारोपण किया।

ग्राम सुद्धोवाला में विकासखंड सहसपुर के द्वारा मनरेगा योजना के अंतर्गत 'रोपण से पोषण' अभियान के तहत वृक्षारोपण रोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमे विधायक सहदेव सिंह पुंडीर ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर पौधे रोपित किए।

वही ग्राम झाझरा के राजकीय रेशम फार्म में रेशम निदेशालय उत्तराखंड द्वारा शहतूत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद विधायक ने यहां शहतूत के पौधे रोपित किए व क्षेत्र वासियों को भी पौधे वितरित किए।

अटकफार्म खैरी में जिलाध्यक्ष मीता सिंह के नेतृत्व में काहन चंद वोहरा सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के पास वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया था ।

दूसरी ओर नगर पंचायत सेलाकुई के वाल्मीकि बस्ती में नगर पंचायत अधिकारियों के नेतृत्व में वृक्षारोपण किया जिसमे विधायक ने शिरकत की।

विधायक ने सभी जगह पौधे रोपित कर स्वच्छ पर्यावरण का संदेश दिया और उपस्थित जनों को पर्यावरण की सुरक्षा और स्वच्छता की शपथ दिलाई। विधायक ने कहा पृथ्वी का स्थायित्व हरे भरे पौधों से ही है। इनकी सुरक्षा करना हमारा कर्तव्य है।

इसीलिए प्रत्येक नागरिक अपने घर के आस पास कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और आजीवन उसकी सुरक्षा करें। उन्होंने कहा की हरेला पर्व के अवसर पर संस्कृति के इस अनमोल धरोहर को आगे बढ़ाते हुए, वृक्षारोपण करने और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लें।

संक्षिप्त समाचार

सावन के पहले सोमवार पर शिवालयों में उमड़े भक्त

देहरादून। श्रावण मास के पहले सोमवार को शिव शक्ति मंदिर सरस्वती विहार अजबपुर खुर्द में तड़के ही जलाभिषेक का सिलसिला शुरू हो गया था। पहाड़ी समाज का सावन इसके साथ ही शुरू हो गया है। समिति द्वारा मंदिर में पिछले एक साल से मंदिर जीर्णोद्धार व सौंदर्यकरण का काम चल रहा है। जिसमें क्षेत्रीय लोग भागीदारी कर रहे हैं। सचिव गजेन्द्र भंडारी ने बताया कि भक्तों के श्रद्धाभाव को देखते हुए समय समय पर मंदिर में धार्मिक आयोजन किए जाते हैं। इस कड़ी में 30 जुलाई से नौ अगस्त तक मंदिर में संगीतमय शिव महापुराण होगी। जिसमें सरस्वती विहार के अलावा आसपास की कॉलोनियों में गणेश विहार, एकता विहार, बहुगुणा कॉलोनी, बैंक कॉलोनी, कुंजापुरी विहार, गायत्री विहार आदि कॉलोनियों के लोग शामिल होंगे। वहीं मोहकमपुर फ्लाईओवर के पास स्थित शिव मंदिर में सुबह से ही जलाभिषेक का सिलसिला चला। मोहकमपुर, लोअर नत्थनपुर, रिंग रोड, राजेश्वरीपुरम, नेहरुग्राम क्षेत्र के उत्तराखंडी समाज के श्रद्धालु भारी संख्या में आसपास के शिवालयों में जलाभिषेक के लिए पहुंचे।

जो पौधा लगाएं उसके देखरेख की जिम्मेदारी जरूर लेंः तिवारी

देहरादून। दून शहर में हरियाली को बढ़ावा देने के लिए मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने इस साल विभिन्न क्षेत्रों में एक लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। सभी लोगों से अपील है कि जो भी पौधे लगाएं, उनके देखरेख की जिम्मेदारी जरूर लें। यह बात सोमवार को एमडीडीए के उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने धौरण से व्यापक पौधरोपण अभियान के शुभारंभ के दौरान कही।

उन्होंने बताया कि इस बार एमडीडीए ने एक नई पहल की है। जो संस्थाएं या लोग पौधे लेना चाहते हैं। वर्हींङ्क्ष्ल्ल’ल्ली.ल्ल पर जाकर पौधों की डिमांड भेज सकते हैं। गूगल फॉर्म में संबंधित व्यक्ति या संस्था को नाम पते के साथ पौधरोपण के लिए चयनित जगह को टैग करना है। ताकि भविष्य में उन पौधों की मॉनीटरिंग भी की जा सके।

पछुवादून से लेकर जौनसार बावर तक के शिवालयों में उमड़े श्रद्धालु

विकासनगर। श्रावण मास के सोमवार को मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। पछुवादून से लेकर जौनसार बावर के शिवालयों में भक्तों की लंबी कतार लगी रही। श्रद्धालुओं ने बेल पत्र, धतूरा, दूध, गंगा जल, भांग, मिष्ठान्न, नैवेद्य, फल और सुगंधित पुष्पों का भोग लगाकर देवाधिदेव महादेव की पूजा अर्चना की।

श्रद्धालुओं ने हरिद्वार से लाए गंगाजल से भगवान भोलेनाथ का अभिषेक किया। पौराणिक शिव मंदिर लाखामंडल में अन्य प्रांतों से आए श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक और दुग्धाभिषेक किया। स्थानीय लोक मान्यता के अनुसान लाखामंडल में ही पांडवों के लिए लाक्षागृह निर्मित किया गया था। चकराता के चिंताहरण मंदिर में भी बड़ी दूर से श्रद्धालु जलाभिषेक को पहुंचे। बाड़वाला स्थित प्राचीन शिव मंदिर में जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी रही। यहां सुबह चार बजे से ही श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला शुरु हो गया था। सुबह आठ बजे तक करीब एक किमी लंबी कतार लग चुकी थी। श्रद्धालुओं ने रुद्राभिषेक और जलाभिषेक के साथ ही शिव मानस पाठ भी किया।

हर हर महादेव के जयकारों से गूंजा बूढ़ा केदारेश्वर मंदिर

विकासनगर के सबसे पुराने शिवालय बूढ़ा केदारेश्वर मंदिर में जलाभिषेक के लिए महिलाओं, युवतियों, बच्चों, बूढ़ों नौजवानों की भीड़ लगी रही। इस दौरान शिव भक्तों ने भजन कीर्तन करते हुए शिव की अराधना की।

पुरानी पेंशन बहाली को सांसदों के आवास पर घंटी बजाएंगे कर्मचारी

देहरादून। पुरानी पेंशन बहाली को कर्मचारी सांसदों के आवास पर घंटी बजाएंगे। एक से नौ अगस्त के बीच बड़े स्तर पर अभियान चलाया जाएगा। इसके बाद एक अक्तूबर को दिल्ली में शंखनाद महारैली निकाली जाएगी। पुरानी पेंशन बहाली राष्ट्रीय आंदोलन की धर्मपुर कार्यालय में हुई बैठक में प्रदेश अध्यक्ष जीतमणि पैन्यूली ने कहा कि उत्तराखंड में सांसदों के आवास पर घंटी बजाओ कार्यक्रम की सफलता को सभी जिला कार्यकारिणी ठोस रणनीति बनाएं। जब भी सांसद अपने आवास पर होंगे, जिला कार्यकारिणी घंटी बजा कर पुरानी पेंशन बहाली को दबाव बनाएगी।

रक्षा क्षेत्र में तरक्की और सैन्य सम्मान से कांग्रेस विचलित: महेंद्र भट्ट

देहरादून। भाजपा ने कहा कि कांग्रेस अग्निवीर योजना को लेकर लगातार भ्रामक वातावरण बनाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 60 सालों तक सेना को हाशिए पर रखकर उसकी जरूरत और रक्षा क्षेत्र की अनदेखी की। सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत में प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि मोदी सरकार रक्षा क्षेत्र के साथ ही सैनिकों की ताकत को बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इससे विचलित है और इसीलिए झूठा प्रचार कर रही है। भट्ट ने कहा कि अग्निवीर योजना की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इस योजना से युवाओं को रोजगार के चारगुना अधिक अवसर मिलेंगे। इससे सैन्य क्षमता में इजाफे के साथ ही अधिक सक्षम जवान देश को मिल पाएंगे। उन्होंने कहा कि सेना की औसत आयु को कम करने वाली यह योजना भारतीय सेना की क्षमता में वृद्धि करेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस बिना किसी जानकारी के अग्निवीर योजना को लेकर भी भ्रम फैला रही है। भट्ट ने कहा कि अग्निवीर जैसी योजनाएं यूरोप, अमेरिका, चीन आदि तमाम देशों में लागू है और यह योजना आधुनिक सैन्य मजबूती की अहम कड़ी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने कभी सेना में वन रैंक वन पेंशन लागू नहीं की जबकि सेना को अन्य सुविधाओं से भी वंचित रखा गया।

राज्यपाल ने दी नेहरू पर्वतारोहण संस्थान के एमटीबी साइकिलिंग अभियान सफलतापूर्वक सम्पन्न किए जाने पर बधाई

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने सोमवार को राजभवन देहरादून में सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु उत्तराखण्ड भ्रमण से लौटे नेहरू पर्वतारोहण संस्थान के एमटीबी साइकिलिंग अभियान का समापन किया। उत्तरकाशी के वाइब्रेंट विलेज जधोंग से 26 जून को शुरू हुए इस अभियान में कुल 06 सदस्य शामिल रहे। यह अभियान प्रदेश के 11 जिलों से गुजरते हुये देहरादून में सम्पन्न हुआ। दल द्वारा इस अभियान में कुल 1062 किलोमीटर की साइकिलिंग की गई। अभियान के समापन के अवसर पर राज्यपाल ने दल के सभी सदस्यों को इस साहसिक अभियान को सफलतापूर्वक सम्पन्न किए जाने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के अभियान लोगों को जागरूक करने के साथ–साथ उन्हें साहसिक पर्यटन गतिविधियों के लिए प्रेरित करेंगे। उन्होंने कहा कि अभियान का वाइब्रेंट विलेज से प्रारंभ किया जाना सराहनीय है। राज्यपाल ने युवा वर्गों में साहसिक क्रियाकलापों के साथ स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश से प्रारंभ किए गए इस अभियान हेतु नेहरू पर्वतारोहण संस्थान के प्रयासों की सराहना की।

प्रधानाचार्य निम कर्नल अंशुमान भदौरिया ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई वाइब्रेंट विलेज स्कीम के अंतर्गत सीमांत गांव के व्यापक विकास और चिन्हित सीमावर्ती गावों में रहने वाले लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार, स्थानीय स्तर पर रोजगार, पर्यटन को बढ़ाने, स्वस्थ भारत अभियान के तहत युवा वर्गों में साहसिक क्रियाकलापों के साथ स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से नेहरू पर्वतारोहण संस्थान द्वारा उक्त अभियान का आयोजन किया गया था।उन्होंने बताया कि इस अभियान के दौरान गढ़वाल व कुमाऊँ दोनों मण्डलों में स्थित गढवाल विश्वविद्यालय, कुमाऊँ विश्वविद्यालय के छात्रों, एवं फैकल्टी मेंबर्स के साथ साहसिक क्रियाकलापों के साथ रोजगार का सृजन ह्यह्यएक भारत श्रेष्ठ भारतह्लह्ल की धारणा के साथ संवाद व परिचर्चा भी की गई। इसके साथ–साथ युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए भी जागरूक किया गया। इस दौरान उन्होंने इस अभियान में दल की चुनौतियों और अनुभवों को साझा किया। इस अवसर पर पीआरओ डिफेंस देहरादून ले. कर्नल मनीष श्रीवास्तव, उप प्रधानाचार्य निम मेजर देवल बाजपेयी सहित इस दल के सदस्य मौजूद रहे।

आंदोलन के बाद भी रकम वापस नहीं मिलने पर जताया रोष

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पीएसीएल कंपनी के निवेशकों ने कंपनी द्वारा ठगी गई उनकी धनराशि को वापस दिलवाने की मांग की है।

इस संबंध में निवेशकों की बैठक में वक्ताओं ने कहा कि लगातार आंदोलन करने के बाद भी उनकी धनराशि को वापस दिलवाने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। कंपनी ने लुभावनी स्कीमों में निवेश करने का लालच देकर उनसे धन निवेश करवाया और कुछ समय बाद उनका धन लेकर कंपनी फरार हो गई।

राज्य सरकार और सक्षम अधिकारी उनके धन को वापस दिलवाने के लिए कोई कार्रवाई नहीं कर पा रहे हैं। इससे निवेशकों में रोष व्याप्त है। ऐसे में पीड़ितों ने 31 जुलाई को दिल्ली के रामलीला मैदान से आक्रोश रैली निकालने का निर्णय लिया है। बैठक में लक्ष्मी बिष्ट, गजे सिंह रावत, रीता रावत, विजय लक्ष्मी आर्य और विजय लक्ष्मी भारती सहित अन्य निवेशक मौजूद रहे।

हरेला पर किया पौधा रोपण, संरक्षण का लिया संकल्प

रोहित अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर पदमपुर मोटाढ़ाक में पौधा रोपण करते सदस्य ।

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : हरियाली पर्व हरेला कोटद्वार में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालयों सहित अन्य स्थानों पर पौधरोपण किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत रितेश शर्मा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज जानकीनगर में हरेला पर्व पर पौधरोपण किया गया।

कार्यक्रम प्रमुख आचार्य रोहित बलोदी ने बताया कि विद्या भारती प्रत्येक वर्ष अपने ध्येय वाक्य एक छात्र एक पौधा और 2 लाख पौधों रोपित करने का संकल्प लेकर वृहद पौधरोपण का कार्यक्रम आयोजित करता है। मौके पर प्रबंध समिति एवं आचार्यों द्वारा जामुन, आंवला, आम, पपीता, तुलसी, बहेड़ा, अमलतास, ओक, अशोक आदि के वृक्ष विद्यालय परिसर में रोपित किए। मेहरबान सिंह कण्डारी सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कालेज के प्रांगण में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयं सेवियों ने हरेला पर्व पर पौधरोपण किया गया।

राइंका जयदेवपुर सिगड्डी में अध्यापकों और छात्र-छात्राओं ने पौधरोपण किया। रोहित अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज में छात्रों को हरेला पर्व और औषधीय पौधों पर जानकारी दी गई। तत्पश्चात विद्यालय में औषधीय पौधों का रोपण किया गया।

ग्रामीण विकास नागरिक विचार मंच की ओर से हरेला पर्व पर सौ फलदार व औषधीय पौधों का रोपण किया गया। रोहित अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर पदमपुर मोटाढ़ाक की एनएसएस इकाई के द्वारा उत्तराखंड का हरेला लोकपर्व बड़ी धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम अशोक कुमार, कार्यक्रम अधिकारी गणेश भट्ट के द्वारा छात्र-छात्राओं को हरेला पर्व और औषधीय पौधों के बारे में जानकारी प्रदान की गई। जिसमें शिक्षक अशोक कुमार द्वारा नीम, गिलोय, आंवला, पत्थरचट्टा, सदाबहार, तुलसी के औषधीय गुणों के बारे में जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम अधिकारी गणेश भट्ट द्वारा हरेला पर्व का महत्व तथा उसका पर्यावरण संरक्षण में योगदान पर विस्तृत जानकारी दी गई।

इस उपलक्ष्य में विद्यालय के प्रबंधक अमित अग्रवाल व प्रधानाचार्य कुंजबिहारी भट्ट द्वारा सामूहिक रूप से पांच औषधीय पौधों का वृक्षारोपण विद्यालय परिसर में किया गया। वहीं, बाल भरती स्कूल पदमपुर मोटाढांक की एनएसएस इकाई के कार्यक्रम अधिकारी मुकेश सिंह भंडारी के नेतृत्व में हरेला पर्व मनाया गया।

इस मौके पर प्रधानाचार्य गिरि राज सिंह रावत, कुणाल रावत, सुनील सिंह रावत, रविंद्र भारद्वाज, हिमानी रावत आदि मौजूद रहे। वहीं, आरसीडी पब्लिक स्कूल शिवराजपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा उत्तराखंड का पारंपरिक पर्व हरेला बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। विद्यालय के प्रबंधक सुभाष चंद्र ढौंडियाल, विद्यालय की प्रधानाचार्य सीमा ढौंडियाल, विद्यालय की उप प्रधानाचार्य नीरजा गौड, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी शंकर बहादुर द्वारा संयुक्त रूप से आम का पौधें का रोपण किया। इस मौके पर दिव्यांशु रावत, पीयूष सिंह, पायल रावत, आदित्य गोसाईं, हर्षिता, आंचल, लकी बिष्ट, महेंद्र सिंह, पीयूष थपलियाल, अपेक्षा, मिनाक्षी, प्रेरणा नेगी, सुहानी, संकेत रावत, आयुष रावत आदि स्वयं सेवियों के साथ विद्यालय के शिक्षक एव शिक्षिकाए उपस्थित थे '

महाविद्यालय में पौधा रोपण करते शिक्षक व अन्य

महाविद्यालय में किया पौधा रोपण, पर्यावरण संरक्षण की दी सीख

कोटद्वार : हरेला पर्व पर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में पौधा रोपण अभियान चलाया गया। इस दौरान सदस्यों ने लगाए गए पौधों के संरक्षण का भी संकल्प लिया।

महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर जानकी पंवार ने फलदार पौधें लगाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण की भी सीख दी। डॉ. सीमा चौधरी ने कहा कि यह पौधा स्मृति चिन्ह के रूप में महाविद्यालय को हमेशा हरा भरा और समृद्ध करता रहेगा। परीक्षा प्रभारी डॉ. अभिषेक गोयल ने पौधा लगाकर महाविद्यालय को हरेला की बधाई दी। कहा कि हरेला पर्व हमारी संस्कृति व सभ्यता की पहचान है। इस मौके पर डॉ. प्रीति रानी, डॉ. डीएस चौहान, डॉ. संजीव कुमार, डॉ. रंजना सिंह, डॉ. कपिल थपलियाल, अंजली बडोला, राकेश, गौरव, राजेंद्र आदि मौजूद रहे।

विवि व महाविद्यालय की अनदेखी पर नाराजगी, आंदोलन तेज करने की चेतावनी

कोटद्वार महाविद्यालय में प्रदर्शन करते छात्र संघ पदाधिकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : डा. पीतांबर दत्त बड़थ्वाल हिमालयन राजकीय महाविद्यालय छात्रसंघ के पदाधिकारियों और छात्रों का विभिन्न मांगों के निराकरण को लेकर धरना-प्रदर्शन सोमवार को भी जारी रहा। आंदोलनकारी छात्र श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय प्रशासन पर छात्र हितों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए मांगों के निराकरण की मांग कर रहे हैं। वहीं मांगों पर श्रीदेव सुमन विवि द्वारा अब तक कोई कार्रवाई न किए जाने से आक्रोशित छात्र संघ अध्यक्ष अंकुश घिल्डियाल और महासचिव शुभम सुयाल ने आंदोलन को तेज करने की चेतावनी दी है।

छात्र संघ पदाधिकारियों ने कहा कि श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय प्रशासन लंबे समय से छात्रों के हितों के साथ खिलवाड़ करता आ रहा है। 2016 में स्वीकृत एमबीए और लैब टेक्नीशियन कोर्स अभी तक महाविद्यालय में आरंभ नहीं हो पाए हैं, वहीं विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से दो सेमेस्टर के बीच निर्धारित समय अंतराल से कम समय में परीक्षा कराई जा रही है, जिससे छात्रों को परीक्षाओं की तैयारी के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पा रहा है। जहां विश्वविद्यालय में सभी कोर्स नई शिक्षा नीति के तहत संचालित हो रहे हैं। वहीं, बीएससी बायोटैक को अभी तक इसमें शामिल नहीं किया गया है, जिससे छात्र बीएससी बायोटैक में प्रवेश नहीं ले पा रहे हैं। छात्र लंबे समय से महाविद्यालय में सिंगल विंडो सिस्टम खोलने की मांग करते आ रहे हैं, लेकिन इस पर भी कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है। इस दौरान पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष विजय रावत, ऋषभ, तनिष्क, आकृति भंडारी, मुदित गोयल, संदीप, अमित कोटनाला, हिमांशु बिष्ट, अभिषेक अग्रवाल, बाबी बिष्ट और हिमांशु बहुखंडी सहित अन्य छात्र मौजूद रहे।

गुरिल्लाओं ने दी लोकसभा चुनाव बहिष्कार की चेतावनी

पौड़ी : चौंदकोट गुरिल्ला संगठन ने समायोजन करने सहित तीन सूत्रीय मांगों के जल्द पूरा नहीं होने पर कोर्ट की शरण लेने और आगामी लोकसभा चुनाव का बहिष्कार करने की चेतावनी दी है। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि वह सरकार से काफी समय से समस्याओं का निस्तारण करने की मांग कर रहे है, लेकिन सरकार इस ओर ध्यान नहीं दे रही है। जिससे गुल्लिाओं में आक्रोश व्याप्त है।

संगठन के सहदेव पांथरी, प्रेम सिंह नेगी, मातबर सिंह नेगी, प्रेम सिंह रावत, राजेंद्र सिंह, भगवान सिंह राणा, बिहारी लाल ममगांई, गब्बर सिंह, कुलदीप सिंह ने बताया कि वे पिछले लंबे समय से गुरिल्लाओं को विभागों में समायोजन करने व सीमा सुरक्षा पर रहने वाले लोगों की समस्या हल करने की मांग कर रहे है, लेकिन केंद्र व राज्य सरकार उनकी मांगों पर कोई ध्यान नहीं दे रही है। जिससे गुरिल्लाओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गुरिल्लाओं के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। कहा कि केंद्र व राज्य सरकार ने कोर्ट के फैसले को लागू करने के बजाय उसको फाइल में कैद कर दिया है।

भारत तिब्बत सहयोग मंच ने किया पौधा रोपण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भारत तिब्बत सहयोग मंच की ओर से क्षेत्र में पौधा रोपण अभियान चलाया गया। इस दौरान सदस्यों ने मालन नदी पुल की चपेट में आने से चोटिल हुए युवकों से भी मुलाकात की।

मुख्य अतिथि राज्य गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष पंडित राजेंद्र अंथवाल, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता विपिन कैंथोला, राज्य गौ सेवा आयोग के सदस्य धर्मवीर गुसाईं के नेतृत्व में अभियान की शुरूआत की गई।

मालन नदी के क्षतिग्रस्त पुल की चपेट में आने से चोटिल हुए युवक से मिलते सदस्य

राज्य गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजेंद्र अंथवाल ने कहा कि धरती माता को बचाने के लिए पौधा रोपण और संरक्षण आवश्यक है। इसके साथ गोवंश का संरक्षण भी आवश्यक है। गोवंश और वृक्ष अगर बचेंगे तो पृथ्वी पर शांति स्थापित होगी। अत्यधिक जल से होने वाले नुकसान को बचाने का काम वृक्ष करते हैं, इसलिए हम सब का नैतिक कर्तव्य बनता है कि हमें अधिक से अधिक पौधों का रोपण करना होगा। इसके उपरांत भारत तिब्बत सहयोग मंच के कार्यकर्ता और गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष मालन नदी पुल टूटने से काल का ग्रास बने युवक के स्वजनों से मिलने भी गए। साथ ही दुर्घटना के समय घायल हुए युवकों से भी मुलाकात की। इस मौके पर भारत तिब्बत सहयोग मंच के जिलाध्यक्ष देवेंद्र कुंडलियां, प्रकृति प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष कमलेश कोटनाला, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मुन्नालाल मिश्रा, अर्चना शर्मा, लक्ष्मी नेगी, गंगा सिंह, हार्दिक सिंह, सौरभ रावत, मनीष सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भोले के जयकारों से गूंजे शिवालय, हुई विशेष पूजा-अर्चना

कोटद्वार : श्रावण मास के पहले सोमवार को कोटद्वार भाबर और निकटवर्ती पर्वतीय क्षेत्रों के शिवालयों में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। लोगों ने हर हर महादेव और ओम नमः शिवाय का उद्घोष के साथ शिवलिंग में जल, दूध, बेलपत्री और फूल चढ़ाकर सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

सोमवार को सुबह होते ही लोगों ने अपने घरों में भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना की और शिवालयों में जलाभिषेक कर शिव की आराधना की। इस दौरान कई मंदिरों में महामृत्युंजय जप का आयोजन भी किया गया। महिला मंगल दलों ने भोले नाथ के भजनों से माहौल भक्तिमय किया। इस अवसर पर कोटद्वार के सिद्धपीठ श्री सिद्धबली मंदिर, फलाहारी बाबा मंदिर, सिद्धपीठ सुखरौ देवी मंदिर, सत्यनारायण मंदिर, संतोषी माता मंदिर, सिद्धबली मंदिर गूलरझाला, नव दुर्गा मंदिर, गीता भवन मंदिर, सिंदूरा देवी मंदिर, घराट मंदिर, भैरों मंदिर, जगदेव मंदिर मवाकोट आदि में सुबह पांच बजे से ही श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। लोगों ने लाइन पर लगकर भोलेनाथ की आराधना की। लैंसडौन में श्रावण मास के पहले सोमवार को श्रद्धालुओं ने श्री कालेश्वर मंदिर के शिवलिंग में जलाभिषेक कर भोले बाबा से मन्नतें मांगी। दुगड्डा में दुर्गा देवी मंदिर स्थित शिवालय, यमकेश्वर के यमकेश्वर महादेव मंदिर में भी श्रद्धालुओं की लाइन लगी रही। महाबगढ़ मंदिर में दूर दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने भी शिवालय की पूजा अर्चना कर मन्नत मांगी।

मंदिर समिति ने किया पौधा रोपण

कोटद्वार : जय भोगू अग्री कौली गंगा (नरंकार देवता) मंदिर समिति की ओर से हरेला पर्व पर पौधा रोपण अभियान चलाया गया। इस दौरान सदस्यों ने ग्रामीणों को भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया।

समिति के अध्यक्ष डा. सुरेंद्र प्रसाद ने कहा कि समिति की ओर से प्रत्येक वर्ष पौधा रोपण अभियान चलाया जाता है। अभियान के दौरान विभिन्न प्रजाति के पौधों का रोपण किया गया। इस मौके पर समिति के संरक्षण प्रेम सिंह, उपाध्यक्ष धर्म सिंह, सचिव भरत सिंह, वीरेंद्र प्रसाद, रमेश चंद्र, अंजू देवी आदि मौजूद रहे।

पक्षियों की प्रजातियों के बारे में दी जानकारी

पक्षियों के बारे में जानकारी लेते क्लब के सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : रोटरी क्लब की ओर से कोटद्वार-पुलिंडा मार्ग के चौथे किलोमीटर से आगे की ओर बर्डवॉचिंग और सीडबॉल कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान सदस्यों ने क्षेत्र में पक्षियों का अवलोकन किया।

कार्यक्रम संयोजक धीरजधर बछवाण ने बताया कि पक्षियों में पैराडाइज फ्लाइसेचर, वाइट क्रिस्टेड लाफिंग थ्रस, कोयल, रेड वेंटेड, रेड व्हिस्कर्ड और हिमालयन बुलबुल, वुडपैकर, जंगल आउल, वाइट आई, इंडियन पीफौल, रेड जंगल फाउल, जंगल बबलर, पाइड हार्नबिल, स्पौटेड डब सहित अन्य कई पक्षी प्रजातियों का अवलोकन किया गया।

उन्होंने बताया कि कोटद्वार क्षेत्र पक्षियों के लिए उपयुक्त क्षेत्रों में से एक है, जहां पर पक्षियों की विभिन्न प्रजातियां पाई जाती हैं।

यहां पर पर्यटक व स्थानीय लोग विभिन्न स्थानों से पक्षियों की विभिन्न प्रजातियों का अवलोकन कर सकते हैं। क्लब सदस्यों द्वारा जंगल में उपयुक्त स्थानों पर जामुन के बीजों का रोपण भी किया गया।

इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष कुलदीप अग्रवाल, सचिव प्रतिभा गुप्ता, कोषाध्यक्ष सचिन गोयल, मनीष अग्रवाल, धनेश अग्रवाल, अमित अग्रवाल, निशीथ माहेश्वरी, दीपक भाटिया आदि उपस्थित रहे।

चित्रकला प्रतियोगिता में यशिका, आराध्य रही अव्वल

प्रतियोगिता के अव्वल विद्यार्थियों को सम्मानित करते शिक्षक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शांति वल्लभ मेमोरियल इण्टर कॉलेज मानपुर हरेला पर्व पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान शिक्षकों ने विद्यार्थियों को धरती पर पौधों के महत्व के बारे में बताया।

ग्रीन अर्थ क्लीन अर्थ के तहत चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि सेवा निवृत्त प्राचार्य डॉ. बीबी एस रावत एवं गोपाल कृष्णा बड़थ्वाल, सीपी डोबरियाल ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के बारे में बताया। प्रधानाचार्या वरुण कुमार भदोला ने कहा कि धरती पर भविष्य को बचाने के लिए हमें अधिक से अधिक पौधा रोपण करना चाहिए।

इस दौरान आयोजित प्रतियोगिता में नर्सरी कक्षा में यशिका, श्रीयश, राजीव प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे। एलकेजी में आराध्य, सुधांशु, शिवानी, यूकेजी में ईमानिया, बिलाल, तनिष्क, कक्षा एक में आराध्य, अंशिका, प्राची, कक्षा दो में परिधि, प्रगति और अफशा कक्षा तीन मे रूही ,दिव्यांशी नेगी ,दिव्यांशी बेबनि ,कक्षा 4 मे श्रियंशी ,तनीषा भदोला और अलीना ,कक्षा 5 में सनाया, अवनि और रुकैया, कक्षा 6 में श्रेया नेगी, आयुष रावत और प्रियांशी रावत, कक्षा 7 में मानवी कुकरेती, आदित्य, यामिनी भदोला, कक्षा 8 में सौम्य, जोया और श्रृष्टि, कक्षा 9 में सिमरन, अंशिका और जिया भट्ट, कक्षा 10 में वंशिका, एस बिष्ट, मयंक कुमार, कक्षा 11 में श्रृष्टि भारती, जैद और अमन, कक्षा 12 में सोनिया, सलोनी और स्वाति ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।

मंच संचालन कमलेश सिंह रावत व मधुमिता जखमोला ने किया।

शारदा घाट पर रोपा रूद्रास का पौधा

श्रीनगर : गंगा आरती समिति श्रीनगर के तत्वावधान में हरेला पखवाड़े के तहत अलकनंदा नदी के शारदा घाट पर समिति के अध्यक्ष प्रेम बल्लभ नैथानी ने रुद्राक्ष का पौधरोपण किया। इस अवसर पर शिव पूजन और गंगा आरती कर रिद्धि-सिद्धि के लिए हवन किया गया। समिति की सदस्य सेवानिवृत्त शिक्षिका सुशीला मेवाड़, बसंती गहरवार, अंजू नेगी, जसोदा खंडूरी, नीतू, वीरा, आशा, सरला, विमला देवी, राजेश्वरी देवी आदि मौजूद रही। (एजेंसी)

सीयूईटी अनिवार्य करने से बढ़ी युवाओं की परेशानी

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : गढ़वाल से संबद्ध महाविद्यालयों में स्नातक कक्षाओं में प्रवेश के लिए कामन यूनिवर्सिटी इंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) अनिवार्य किए जाने से ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं की परेशानी बढ़ गई हैं। सीयूईटी की बाध्यता के चलते युवाओं को प्रवेश से वंचित रहना पड़ रहा है।

राठ महाविद्यालय पैठाणी के प्राचार्य डा. जितेंद्र कुमार नेगी ने बताया की इस संबंध में उन्होंने विश्वविद्यालय की कुलपति, कुलसचिव व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली को ज्ञापन भेजकर छात्रों को हो रही दिक्कतों से अवगत कराया है। कहा कि उनका महाविद्यालय ग्रामीण व भौगोलिक परिस्थितियों में होने के कारण वैसे ही तमाम तकनीकी दिक्कतों का सामना कर रहा है। कमजोर नेटवर्क, विद्युत आपूर्ति में अनियमितता, कई बार संबंधित वेबसाइट के न खुलने से दूरस्थ क्षेत्र के ग्रामीण युवाओं को खाली हाथ लौटना पड़ता है। बताया कि इस बार टेस्ट में बैठे कुछ छात्रों के परीक्षा केंद्र अपने राज्य से बाहर दूसरे राज्यों के शहरी क्षेत्रों में होने के कारण परीक्षा में बैठने से वंचित हो गए। अभिवाहकों का कहना था कि उनके पास इतना पैसा नहीं था की वे बच्चों के यात्रा और अन्य व्यय भार उठा सकें। कहा कि सीयूईटी के लिए महाविद्यालय स्तर पर पहले ही सघन जागरूकता अभियान छेड़ा था। समिति ने क्षेत्र के सभी इण्टर कालेजों में संपर्क कर इस टेस्ट में शामिल होने के लिए छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित किया था, लेकिन परिणाम इसके अपेक्षित नहीं रहे। महाविद्यालय में प्रवेश के लिए सैकड़ों छात्र-छात्राएं लगातार संपर्क कर रहें हैं, लेकिन सीयूईटी की बाध्यता के चलते उन्हें प्रवेश से वंचित रहना पड़ रहा है। कहा कि सीयूईटी कि बाध्यता के चलते प्रवेश देने के लिए मजबूर हैं।

जागेश्वर धाम में लगने वाले श्रावणी मेले का रंगारंग आगाज

अल्मोड़ा : प्रसिद्ध जागेश्वर धाम में लगने वाले श्रावणी मेले का शुभारंभ आज बड़ी धूमधाम से हुआ। शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्यातिथि सांसद अजय टम्टा समेत विधायक अल्मोड़ा मनोज तिवारी, जिलाध्यक्ष भाजपा रमेश बहुगुणा, जिलाधिकारी/अध्यक्ष जागेश्वर मंदिर प्रबंधन समिति विनीत तोमर समेत अनेक गणमान्य व्यक्ति रहे। इस दौरान शुभारंभ कार्यक्रम में पहुंचे अतिथिगणों ने जागेश्वर धाम में पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया। इसके पश्चात सांसद अजय टम्टा समेत अन्य गणमान्यों ने रिबन कटकर श्रावणी मेले का विधिवत उद्घाटन किया। इस दौरान सांसद अजय टम्टा ने सभी प्रदेशवासियों को श्रावणी मेला एवं हरेला पर्व की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि जागेश्वर धाम राज्य ही नहीं सम्पूर्ण देश में प्रसिद्ध धाम है। देश विदेश से लोग यहां श्रद्धा के साथ आकर शीश झुकाते हैं। उन्होंने कहा कि मेले को भव्य बनाने के लिए जिला प्रशासन तथा मंदिर समिति पूरे मंतव्य से तथा पूरी श्रद्धा से जुटी हुई है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद अजय टम्टा ने कहा कि जागेश्वर धाम सबकी श्रद्धा का केंद्र हैं। यहां आकर खोए हुए आत्मविश्वास को पुनर्जीवित करने की अनुभूति होती है। उन्होंने कहा कि मानसखंद मंदिर माला में भी जागेश्वर को रखा गया है तथा मास्टर प्लान के तहत जागेश्वर का विकास किया जाएगा।

जीआईसी,बीइओ कार्यालय में वित्तीय अनियमितता की होगी जांच

पिथौरागढ़। जीआईसी, खंडशिक्षा अधिकारी व उपखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में वित्तीय अनियमित्ता की जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने शिकायत की थी। जिस पर सीईओ ने चार सदस्य जांच समिति बना दी है। जांच कमेटी को 10 दिन में अपनी जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी।

पिछले दिनों यहां निदेशक माध्यमिक शिक्षा सीमा जौनसारी के क्षेत्र भ्रमण के दौरान जिपं सदस्य ने वर्ष 2016–17 से वर्ष 2023–24 तक वित्तीय अनियमितता की शिकायत की थी। जौनसारी के आदेश पर मामले में मुख्य शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार जुकरिया ने एक जांच कमेटी गठित की है। जिसमें जिला शिक्षा अधिकारी प्राथमिक शिक्षा,खंड शिक्षा अधिकारी,वित्त अधिकारी विद्यालय शिक्षा, सहायक वित्त अधिकारी समग्र शिक्षा पिथौरागढ को शामिल किया गया है। इधर मर्तोलिया ने कहा कि जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद ही वे कुछ कहा जा सकेगा।एक ही व्यक्ति के एक समय में तीन जगह रहने के कारण अनियमित्ताओं के उन्होंने आरोप लगाए हैं।

एसडीएम, एनडीआरएफ व एसडीआरएफ की टीम पहुंची सोराग

बागेश्वर : उपजिलाधिकारी मोनिका एनडीआरएफ व एसडीआरएफ की टीम के साथ सोराग व उगियां गांव पहुंची। इस दौरान व आपदा प्रभावित लोगों से मिलीं। उनके साथ जल संस्थान व ऊर्जा निगम के कर्मचारी भी मौजूद रहे। भूस्खलन के चलते वहां बिजली और पानी का भी संकट बना हुआ है। टीम ने प्रभावित परिवारों को तिरपाल, फूड पैक आदि वितरित किए। (एजेंसी)

14 दिन से पूर्णागिरि मार्ग बंद, खाद्यान्न और रोजमर्रा की वस्तुओं का संकट

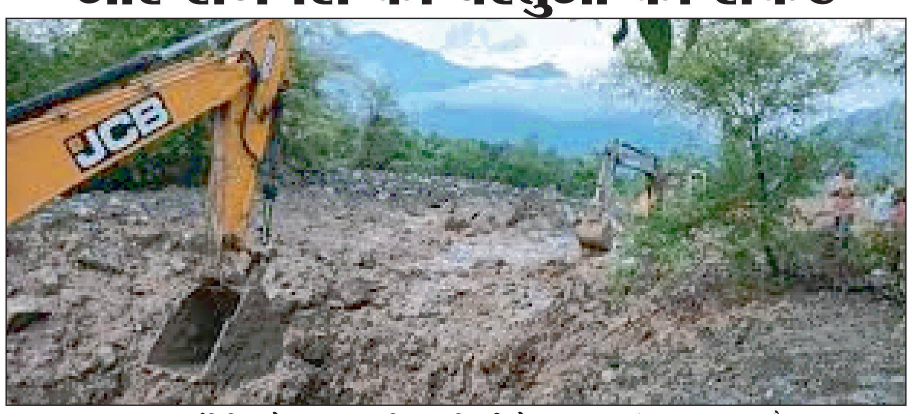

चम्पावत : पूर्णागिरि के बाटनागाड़ में भारी मात्रा में एकत्र हुए मलबे और बोल्डर को चौदह दिन बाद भी नहीं हटाया जा सका है।

वाहन नहीं चलने से ग्रामीणों की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ने लगा है। सड़क नहीं खुलने से ग्रामीणों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मंदिर समिति अध्यक्ष किशन तिवारी ने बताया कि बारिश के बाद बाटनागाड़ में एकत्र हुए मलबे को चौदहवें दिन भी नहीं हटाया जा सका। माता के दर्शन को आ रहे श्रद्धालुओं को ककराली गेट से ही वापस लौटा दिया जा रहा है। बताया कि पूर्णागिरि मार्ग बंद होने से यहां के तमाम गांवों में खाद्यान्न और रोजमर्रा की अन्य वस्तुओं का संकट गहरा गया है। श्यामलाताल की पहाड़ी से आ रहा भारी मात्रा में मलबा और बोल्डर ग्रामीणों के राह में रोड़ा बन रहा है। डीएम के निर्देश पर मलबा हटाने को लेकर कमेटी भी बनाई गई है। एसडीएम सुंदर सिंह ने बताया कि सड़क में आए मलबे को हटाया जा रहा है। बताया कि अभी दो दिन और लगेंगे। (एजेंसी)

भू-कटाव रोकने को प्रभावी कदम उठाने की मांग

चम्पावत : बनबसा ग्राम सभा के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि राकेश चंद ने सिंचाई विभाग के एसडीओ प्रशांत वर्मा से सड़कों में हो रहे भू-कटाव को रोके जाने की मांग की है। सोमवार को ग्राम प्रधान प्रतिनिधि ने ग्रामीणों के साथ शा-रदा नहर के गुदमी, बनबसा, कैनाल की सड़कों में हो रहे भू कटाव का जायजा लिया। इस दौरान नहर से कई जगह पर सड़कों के नीचे कटाव किया जा रहा है। जिस कारण भविष्य में सड़क को काफी नुकसान पहुंचने का अंदेशा जताया। आवाजाही में लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। मामले में ग्रामीणों ने एसडीओ से शीघ्र प्रभावी कदम उठाने की बात कही। इस मौके पर विक्रम चंद, विजय जोशी, नवीन भट्ट, चंद्र सिंह खोलिया, देवेंद्र सिंह, संतोष चंद आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी पदम सिंह के परिवार को किया सम्मानित

अल्मोड़ा : पूर्व दर्जामंत्री बिट्टू कर्नाटक फलसीमा गांव में स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी स्वर्गीय पदमसिंह के परिवारजनों का सम्मान करने पहुंचे। श्री कर्नाटक ने परिवारजनों को अंगवस्त्र भेंट करते हुए मेडल तथा प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर श्री कर्नाटक ने अपने सम्बोधन में कहा कि फलसीमा निवासी स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी स्वर्गीय पदमसिंह 1929 में जब महात्मा गांधी अल्मोड़ा आए तो उनकी जनसभा में स्व. पदमसिह अपने अनेक साथियों के साथ पहुंचे। गांधी जी की इस जनसभा में अत्यधिक भीड़ थी। जिस कारण गांधी जी की मोटर गाड़ी के नीचे पदमसिंह आ गए और घायल हो गये। महात्मा गांधी स्वयं उन्हें लेकर जिला चिकित्सालय गए। जहां तीन दिन बाद पदमसिंह की मृत्यु हो गई। स्व. पदमसिंह ने जिला चिकित्सालय में बयान लेने आए मजिस्ट्रेट को कोई भी बयान नहीं दिया। पदमसिंह की मृत्यु के बाद गांधी जी सहित अनेकों लोगों ने चन्दा जमा कर स्व. पदमसिंह के परिवार वालों तक पहुंचाया लेकिन उनके परिवार ने इसे स्वीकार नहीं किया। इसके साथ ही फलसीमा गांव वालों ने पानी की समस्या से अवगत कराया। जिस पर श्री कर्नाटक ने तत्काल जल निगम के अधिशासी अभियन्ता से दूरभाष पर वार्ता कर मंगलवार को फलसीमा का दौरा कर तुरन्त पेयजल लाइन गांव में पहुंचाकर हर घर में इसका कनेक्शन देने की मांग की। इसके साथ ही श्री कर्नाटक ने अल्टीमेटम भी दिया कि यदि अविलम्ब फलसीमा में पेयजल लाइन डालकर ग्रामवासियों को पानी नहीं दिया गया तो उन्हें चक्काजाम जैसी कार्रवाई के लिए बाध्य होना पड़ेगा। स्व. पदमसिह के परिवार के लक्ष्मण सिंह बिष्ट, कुन्दन सिंह बिष्ट, मनोज सिंह बिष्ट एवं किशन सिंह बिष्ट को श्री कर्नाटक ने सम्मानित किया। (एजेंसी)

जीबी पंत पर्यावरण संस्थान ने की तिमुर सैन्चुरी के निर्माण की शुरुआत

अल्मोड़ा : गोविन्द बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान, कोसी–कटारमल, अल्मोड़ा द्वारा उत्तराखण्ड़ लोक पर्व ह्यहरेलाह्न के अवसर पर संस्थान के सूर्य कुंज में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम को प्रारम्भ करते हुए डा0 आईडी भट्ट, केन्द्र प्रमुख जैव विविधता एवं संरक्षण केन्द्र द्वारा संस्थान के निदेशक प्रो0 सुनील नौटियाल, समस्त वैज्ञानिक, शोधार्थी एवं भारतीय स्टैट बैंक के प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए लोक पर्व हरेला की सामाजिक एवं धार्मिक महत्ता पर प्रकाश डाला गया। डा0 भट्ट ने बताया कि गतवर्ष हरेला दिवस के उपलक्ष्य में ग्राम कटारमल में जनसहभागिता के द्वारा बहुमूल्य औषधीय पादपों का वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया था। कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक प्रो0 सुनील नौटियाल ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए लोक पर्व हरेला की शुभकामनाएं दी। उन्होने बताया कि यह पर्व हमारे सांस्कृतिक एवं धार्मिक परम्पराओं एवं रीतिरिवाजों का पूरक है।(एजेंसी)

रूद्रपुर में अमरनाथ यात्रियों का किया स्वागत

रुद्रपुर : अमरनाथ सेवा मण्डल की अगुवाई में अमरनाथ यात्रा पर गए श्रद्धालुओं के वापस आने पर स्वागत किया गया। विधायक शिव अरोरा ने रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के सकुशल वापसी पर उनको माला पहनाई और परिजनों सहित शहर के लोगों ने पुष्पवर्षा की। इस जत्थे में 151 लोग यात्रा पर गये थे। यह आज यात्रा पूर्ण कर वापस आ गए। रेलवे स्टेशन पर अमरनाथ यात्रियों की वापसी पर माहौल शिवमय हो गया।

इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष कमल जिंदल, जिला प्रभारी पुष्कर काला, प्रदेश मंत्री विकास शर्मा, सुशील गाबा, धर्म सिंह कोली, धीरेश गुप्ता, हरीश भट्ट, मयंक कक्कड़, गजेंद्र प्रजापति, विनय बत्रा, अंकित नरूला, अशोक गुम्बर, योगेश वर्मा, राजन राठौर, माणिक अरोरा मौजूद रहे। (एजेंसी)

पिथौरागढ़ में बीए में प्रवेश के लिए हुए सर्वाधिक आवेदन

पिथौरागढ़। सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय अल्मोड़ा के पिथौरागढ़ परिसर में सत्र 2023–24 के प्रथम सेमेस्टर के लिए प्रवेश प्रक्रिया आज से शुरु होगी। महाविद्यालय प्रबंधन ने सभी संकाय के प्रभारियों को संबधित सूचना भेज दी है। अभी तक प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए 2 हजार 294 विद्यार्थियों ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया है। सोमवार को परिसर निदेशक डॉ.हेम चंद्र पाण्डेय ने बताया कि बीए प्रथम सेमेस्टर में 1 हजार 369, बीएससी गणित में 248, बीएससी जीव विज्ञान 354, बीकॉम में 146, बीबीए में 92, बीसीए में 85 छात्र–छात्राओं ने अभी तक प्रवेश के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है। 124 विद्यार्थियों के आवेदन गलत भरने के कारण रद्द हुए हैं। प्रवेश समिति के अनुमोदन के बाद 24 घंटे से 72 घंटो के भीतर ऑनलाइन पोर्टल में फीस रसीद की छाया प्रति प्रवेश समिति के पास जमा करानी अनिवार्य होगी। वहीं प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन पत्र के साथ अपने मूल प्रमाण पत्रों में हाईस्कूल व इंटर की अंकतालिका व प्रमाण पत्र,चरित्र प्रमाण पत्र,आर्थिक आधार पर आरक्षण प्रमाण पत्र,आधार कार्ड सहित अन्य पत्रों के आधार पर छात्र–छात्राओं को प्रवेश दिया जाएगा।(एजेंसी)

बंद नालियां और कलमठ खोलने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

चम्पावत : गल्लागांव में सड़क किनारे बनी नालियों और कलमठ बंद होने पर ग्रामीणों ने गहरा आक्रोश जताया। ग्रामीणों ने विभाग के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए जल्द समस्या के समाधान की मांग उठाई। गल्लागांव में विधायक प्रतिनिधि होशियार सिंह बोहरा के नेतृत्व में ग्रामीणों ने लोनिवि के खिलाफ प्रदर्शन कर कहा कि वर्ष 2021–22 में आई दैवीय आपदा के दौरान 57 मकान खतरे की जद में आ गए थे। जिसमें से आठ परिवारों को अन्यत्र विस्थापित किया गया है। उन्होंने बताया कि पूर्व में भी आपदा आने का मुख्य कारण कलमठ और नालियों का बंद होना था। जिससे पानी की निकासी न होने के कारण भूस्खलन हो गया। उन्होंने कहा कि कई बार मांग के बाद भी लोनिवि पक्की नाली बनाने, बंद पड़े स्क्रबर को खोलने की जहमत नहीं उठा रहा।

बेरीनाग में सीसी मार्ग क्षतिग्रस्त होने से नाराज लोगों ने किया प्रदर्शन

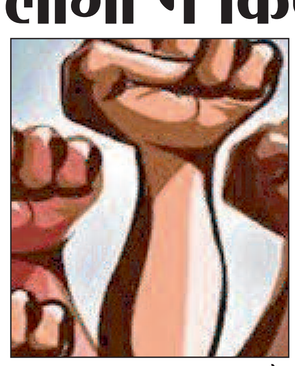

पिथौरागढ़। नगर क्षेत्र के बना बैंड से टी स्टेट तक जिला योजना के तहत छः माह पूर्व बने सीसी मार्ग के उखडने पर पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य दरपान राम चनियाल के नेतृत्व में स्थानीय लोगों ने कार्यदायी संस्था के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। सोमवार को प्रदर्शन के दौरान लोगों ने कार्यदायी संस्था पर गंभीर आरोप लगाए। सभा में पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य दरपान राम ने कहा कि छः माह पूर्व लोक निर्माण विभाग ने जिला योजना से दस लाख की लागत से सीसी मार्ग बनाया। यह अब उखड चुका है, सड़क पर रोडे बिखरे हुए हैं। जिसमे आये दिन दो पहिया वाहन चालक गिर रहे हैं। कहा कि सडक किनारे नालियों का निर्माण नहीं किया गया है। जिससे लोगों के घरों में पानी जा रहा है। कहा कि सडक की चौड़ाई कम कर दी गयी है जिससे भविष्य में वाहनों का आवागमन भी प्रभावित होगा । उन्होंने कहा कि यदि विभाग अति शीघ्र सडक की चौडाई ठीक करते हुए नालियों का निर्माण नहीं करेगा तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान प्रदर्शन करने वालों में रवींद्र बोरा,संदीप राज,नारायण गोस्वामी, प्रेम प्रकाश, बसंत राम,मनोज कालाकोटी, दीपक रमेश चनियाल, जीत राम, कमल, हरीश, मान सिह, सुमन, ममता, बबीता, मोनू ।

पिथौरागढ़ में आक्रोशित ग्रामीणों ने धरना दिया

पिथौरागढ़। थरकोट झील में डूबने से हुई युवक की मौत से आक्रोशित ग्रामीणों ने धरना दिया। सोमवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण नगर के महात्मा गांधी मार्ग स्थित पोस्टमार्टम हाउस के बाहर एकत्र हुए। इस दौरान उन्होंने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया और धरने में बैठ गए। उन्होंने घटना के लिए विभाग को जिम्मेदार ठहराया है। राज्य आंदोलनकारी राजेंद्र भट्ट, जिपं उपाध्यक्ष कोमल भट्ट ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को मुआवजे के तौर पर 50लाख रुपये देने और एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की है।(एजेंसी)

वृक्षारोपण कर प्रकृति को हरियाली युक्त व जीवंत रखने की अपील

अल्मोड़ा : उत्तराखण्ड के लोक पर्व हरेला के अवसर पर प्रकृति को हरियाली युक्त व जीवंत रखने हेतु पुलिस लाईन अल्मोड़ा में फलदार एवं छायादार वृक्षों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण के लिए पुलिस बल को अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर एसएसपी रामचन्द्र राजगुरु द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु जनमानस से भी वृक्षारोपण कर प्रकृति को हरियाली युक्त व जीवंत रखने की अपील की गई। एसएसपी ने कहा कि वृक्षारोपण मात्र औपचारिकता नहीं है, वृक्षों से छाया, शुद्ध हवा, फूल व फल मिलते हैं और वृक्षों से हमारा आने वाला कल है। इसलिए इस हरेला पर्व को हम सिर्फ एक पर्व के रूप में ना मनाएं, अपितु वृक्षारोपण कर अपने चारों ओर के आवरण को हरा भरा कर इसे ईश्वर द्वारा दिये गये अमूल्य वरदान के रूप मे ग्रहण करें। एसएसपी के निर्देश पर जनपद के पुलिस बल द्वारा पुलिस परिवार के साथ वृहद स्तर पर वृक्षारोपण अभियान चलाकर सैकड़ों फलदार व छायादार वृक्षों को रोपित कर पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली गई। (एजेंसी)

धूमधाम से मनाया लोकपर्व हरेला

अल्मोड़ा : जनपद में जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरण संतुलन का प्रतीक लोकपर्व हरेला धूमधाम के साथ मनाया गया। लोगों ने घरों और देव मंदिरों में बोया हरेला काटा। उसे देवताओं को चढ़ाया और घरों में मीठे पकवान बनाए। बच्चे पर्व पर खुश नजर आए। इस मौके पर विभिन्न जगहों पौधारोपण किया गया।

सोमवार को हरेला पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया। देव मंदिरों में पूजा अर्चना की गई। दस दिन पूर्व घरों में बोया हरेला देवताओं के साथ ही लोगों को भी चढ़ाया गया। दादा–दादी, ताऊ–ताई और बुजुर्ग हरेला चढ़ाते समय, जी रया, जागि रया.. आदि का आशीर्वाद दिया। इस मौके पर ससुराल से पहुंची विवाहित बहनों ने भाइयों को आशीर्वचन के साथ हरेला लगाया। भाइयों ने बहनों को यथोचित दक्षिणा और उपहार भेंट किए। लोगों ने इस पर्व पर अनेक पकवान बनाकर मंदिर में अर्पित कर पास पड़ोस में प्रसाद बांटा। (एजेंसी)

पूर्व सांसद पर लगाया उपेक्षा का आरोप

पिथौरागढ़। कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रदेश सचिव जीवन कोहली ने पूर्व सांसद प्रदीप टम्टा पर कार्यकर्ताओं की उपेक्षा करने का आरोप लगाया है। सोमवार को पूर्व प्रदेश सचिव जीवन ने बयान जारी कर आरोप लगाते हुए कहा कि 2022 के विस चुनाव में उनकी निष्क्रियता से जिले में कांग्रेस को दो सीटें हारनी पड़ी। कहा कि कांग्रेस के साथ ही भाजपा के सांसद को भी अब चुनाव सामने देख अपने समाज की याद आ रही है।(एजेंसी)

गाड़ी बेचने के नाम पर धोखाधड़ी का आरोप

हल्द्वानी। रामपुर रोड में रहने वाले एक युवक ने कार बेचने के नाम पर लाखों की धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया है। युवक के अनुसार आरोपी ने पहले कार बेची बाद में मदद के नाम पर वापस मांगी अब नहीं लौटा रहा। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पुलिस को सौंपी तहरीर में रामपुर रोड गली नंबर 9 निवासी मनोज गुप्ता ने बताया कि उन्होंने 8 सितम्बर 2021 को ईदगाह रोड में रहने वाले मोहम्मद जफर से एक कार का सौदा 8.50 लाख रुपये में किया। मनोज का आरोप है कि कार खरीदने के बाद 28 जून को जफर यह कहकर कार ले गया कि उसे ईद पर परिवार के साथ बाहर जाना है। लेकिन इसके बाद उसने कार नहीं लौटाई। कार के बारे में पूछने पर आरोपी टालमटोली कर रहा है। एसएसआई विजय मेहता ने बताया मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

निर्विरोध निर्वाचित पदाधिकारियों को सौंपे प्रमाण–पत्र

हल्द्वानी। प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के निर्विरोध निर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष नवीन वर्मा व महामंत्री प्रकाश मिश्रा को मुख्य चुनाव अधिकारी व चुनाव अधिकारियों ने सोमवार को प्रमाण पत्र प्रदान किए। सोमवार को सरस मार्केट स्थित चुनाव कार्यालय में मुख्य चुनाव अधिकारी प्रमोद गोयल, चुनाव अधिकारीगण राजेश अग्रवाल, गुलशन छाबड़ा, सुरेश बिष्ट और चुनाव संचालन समिति के रावेल सिंह आनंद ने दोनों पदाधिकारियों को माल्यार्पण कर शुभकामनाएं दीं। बता दें कि चुनाव के लिए रविवार को नामांकन प्रक्रिया हुई।

राजभवन में धूमधाम से मनाया गया हरेला पर्व

देहरादून। सोमवार को राजभवन में उत्तर-खण्ड की लोक संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण का पर्व ह्यह्यहरेलाह्लह्ल बड़ी धूमधाम से मनाया गया। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने हरेला पर्व के अवसर पर राजभवन स्थित शिव मंदिर में पूजा–अर्चना कर प्रदेश की सुख–समृद्धि और खुशहाली के लिए कामना की। इसके बाद उन्होंने राजभवन परिसर में ह्यह्यसावनीह्लह्ल प्रजाति के पौधे का रोपण किया। इस अवसर पर राजभवन परिसर में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी परिसर में वृक्षारोपण किया। हरेला पर्व के अवसर पर छोलिया नर्तक दल ने पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए और इस पर्व की शोभा बढ़ाई। वहीं महिलाओं द्वारा भी पारंपरिक वेशभूषा में हरेला के मांगलिक गीत जी रैया जागी रैया....... आदि मंगल गीत गाए गए।

हरेला पर्व के अवसर पर देश एवं प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड में प्रकृति को महत्व देने की हमारी परंपरा रही है। प्रकृति के विभिन्न रूपों की हम पूजा करते हैं। उन्होंने कहा कि हरेला पर्व हमारी लोक संस्कृति, प्रकृति और पर्यावरण के साथ जुड़ाव का भी प्रतीक है। यह हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम प्रकृति के संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि हमारी आने वाली पीढ़ी को शुद्ध वातावरण मिल सके इसके लिए हम सभी को वृक्षारोपण व पर्यावरण संरक्षण के प्रति गंभीरता से कार्य करने की जरूरत है। राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड में 70 प्रतिशत से भी अधिक वनाच्छादित क्षेत्र हैं। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता हेतु कई आंदोलन की शुरूआत यहीं से प्रारम्भ हुए। इस लिहाज से पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि आज पूरे विश्व में ग्लोबल वार्मिंग जैसी चुनौतियां बढ़ रही हैं। यह पर्व ऐसी चुनौतियों के समाधान के लिए भी हमें प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि हमें वृक्षारोपण के साथ–साथ उनकी देखभाल भी करनी चाहिए। इस अवसर पर प्रथम महिला गुरमीत कौर, सचिव राज्यपाल रविनाथ रामन, अपर सचिव स्वाति एस भदौरिया, अपर सचिव रणवीर सिंह चौहान, उप सचिव एन के पोखरियाल, अपर निदेशक उद्यान डॉ आर. के. सिंह, संयुक्त निदेशक सूचना डॉ नितिन उपाध्याय, उपनिदेशक उद्यान डॉ अमित रतन, मुख्य उद्यान अधिकारी डॉ मीनाक्षी जोशी, उद्यान अधिकारी दीपक पुरोहित सहित राजभवन के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

श्रीनगर में हुआ आंख के ट्यूमर का सफल ऑपरेशन

श्रीनगर : उप जिला चिकित्सालय श्रीनगर के नेत्ररोग विभाग की टीम ने एक व्यक्ति की आंख में कंजेक्टीवेट ट्यूमर की पहचान कर सफल ऑपरेशन किया है। विकासखंड कोट के जनासू गांव का गणेश अपनी दाहिनी आंख की पुतली में गांठ होने से परेशान था। वह इस समस्या को लेकर उप जिला अस्पताल श्रीनगर पहुंचा। यहां नेत्ररोग विभाग के डा. मोहित और उनकी टीम ने जांच कर आंख में चार एमएम के कंजेक्टीवेट ट्यूमर की पहचान की। डाक्टरों ने गांठ को हटाने के बाद ग्राफ्टिंग भी की। अस्पताल के नेत्ररोग विशेषज्ञ डा. मोहित ने बताया कि कंजेक्टीवेट ट्यूमर था सूर्य की यूवी किरणों से होता है और बहुत की कम लोगों में पाया जाता है। (एजेंसी)

पौध रोपण प्रत्येक मनुष्य के जीवन का लक्ष्य होना जरूरी : रावत

श्रीनगर : हरेला पर्व के अवसर पर श्रीनगर में विभिन्न संस्थानों व भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा बृहद स्तर पर पौधरोपण किया गया। राजकीय मेडिकल कॉलेज श्रीकोट में आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सीएमएस रावत ने कहा कि अब समय आ गया है कि पौधरोपण प्रत्येक मनुष्य के जीवन का लक्ष्य होना चाहिए।

पर्वतीय विकास शोध केंद्र के नोडल अधिकारी डॉ. अरविंद दरमोड़ा ने कहा कि बीज बम पौधरोपण का एक सफलतम प्रयोग है। मौके पर रोटरी क्लब अलकनंदा वैली के अध्यक्ष वेदव्रत शर्मा आदि मौजूद रहे। वहीं दूसरी ओर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार सिविल न्यायालय परिसर श्रीनगर में पौधरोपण किया गया। जिसमें तहसील विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष एवं सिविल जज रजनीश मोहन ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मौके पर तहसीलदार हरीश जोशी, बार एसोसिएशन श्रीनगर के संरक्षक अनूपश्री पांथरी, अध्यक्ष प्रमेश चन्द्र जोशी, सचिव बहानन्द भट्ट, पैनल अधिवक्ता प्रदीप मैठाणी, रेंजर राजेन्द्र प्रसाद कुकरेती आदि मौजूद रहे। वहीं भाजपा श्रीनगर मंडल के 105 बूथ राबाइंका में भाजपा के जिला प्रभारी विजय कपरवाण व बूथ 96 पर पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पौध रोपण किया। (एजेंसी)

महिलाओं और बच्चों ने पौधों के संरक्षण का लिया संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : सोमवार को हरेला पर्व के अवसर पर अभ्युदय परिवार के तत्वावधान में महिलाओं और बच्चों ने पौधे लगाकर उनके संरक्षण का संकल्प लिया।

कुमाऊनी मौहल्ले में महिला पुलिस उपनिरीक्षक रचना रानी के नेतृत्व में वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया। पुलिस उपनिरीक्षक रचना रानी ने अभ्युदय परिवार के कार्यों की सराहना करते हुए कहा पौधे लगाने के बाद उनकी देखभाल की जिम्मेदारी भी संस्था के सदस्यों की है तभी वृक्षारोपण करना सफल होगा। अभ्युदय परिवार की संयोजिका भावना वर्मा ने कहा कि संस्था के सभी सदस्यों ने पौधों की देखरेख करने का संकल्प लिया है। इस मौके पर पूनम बौठियाल, लक्ष्मी थापा, सविता रावत, पूजा, सरोज, पुष्पा चौहान, रजनी, मोनिका अग्रवाल, सोनिया गुप्ता, रेनू चौहान, पुष्पा वर्मा, लता जोशी, माया देवी, कुसुम बौठियाल चन्द्रकान्ता, भावना वर्मा, पंखुड़ी वर्मा, विकल्प, गौरव, पराग, कान्हा आदि मौजूद थे।

गढ़वाली फिल्म पोथली देखकर भावुक हुए दर्शक

श्रीनगर : बेटियों के साथ हो रहे उत्पीड़न, अत्याचार और बाप-बेटी के संघर्ष पर बनी गढ़वाली फिल्म पोथली गढ़वाल विवि के चौरास परिसर स्थित मिनी ऑडिटोरियम में दिखाई गई। सोमवार को पहले शो को देखने पहुंचे दर्शकों के आंसू छलक गए।

फिल्म की कहानी पोथली (राधा) पर केंद्रित है। प्रज्वल फिल्म प्रोडक्शन हाउस द्वारा उत्तराखंडी फीचर फिल्म पोथली की कहानी वर्तमान हालातों पर बनाई गई है। इसमें बेटियों पर हो रहे अत्याचार, धन-बल के जोर के आगे बेवस गरीब लोगों की विवशता को दिखाया गया है। सोमवार से शुरू हुए फिल्म के शो कुछ दिन तक दर्शकों को दिखाए जाएंगे। फिल्म के निर्माता निर्देशक रवि ममगांई ने कहा कि देहरादून में लॉन्च हुई गढ़वाली फिल्म पोथली को प्रत्येक उत्तराखंडी को देखना जरूरी है। कहा कि इस फिल्म के पीछे बेटियों की सुरक्षा को लेकर एक संदेश छोड़ा गया है। (एजेंसी)

लोकपर्व हरेला देता है हमें प्रकृति संरक्षण का संदेश

औषधीय, फलदार सहित अन्य प्रजातियों के पौधें रोपे

थपलेश्वर महादेव मन्दिर, जखोला थलीसैंण में पौधा रोपते हुए महाविद्यालय के प्राध्यापक।

जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैंण : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय थलीसैंण में नमामि गंगे एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में हरेला पर्व मनाया गया। इस मौके पर थपलेश्वर महादेव मन्दिर, जखोला, राजकीय आर्दश इंटर कॉलेज थलीसैंण, नगर पंचायत कार्यालय, ग्राम सभा मरोड़ा में औषधीय, फलदार सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधों को रोपा गया। साथ ही पौधों की सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड भी लगाए गए।

कार्यक्रम का शुभारम्भ पूर्वी नायर के तट स्थित थपलेश्वर महादेव मन्दिर, जखोला में मुख्य अतिथियों ने फलदार एवं औषधीय पौधों को लगाकर किया।

इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता सतेन्द्र सेमवाल ने कहा कि एक वृक्ष पूरे समाज को बिना भेदभाव के फल एवं छाया देता है, हमें इनका संरक्षण करना चाहिए। मंदिर पुजारी ललिता प्रसाद मंमगाईं ने महाविद्यालय परिवार का आभार जताया। इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. रेनू रानी बंसल ने कहा कि लोकपर्व हरेला हमें प्रकृति संरक्षण का संदेश देता है। हमें अपने पर्यावरण के प्रति उत्तरदायित्व के इस संदेश को जीवन में अपनाना चाहिए। इस मौके पर महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. छाया सिंह, डॉ. बिपेंद्र सिंह रावत, डॉ. विकास प्रताप सिंह, डॉ. विक्रम रौतेला, डॉ. अजय कुमार, डॉ. गिरीश चन्द्र आर्य, डॉ. विनोद कुमार, डॉ. शिवानी धूलिया, धर्मेन्द्र, नगर पंचायत अधिशासी अधिकारी शैलेन्द्र सिंह रावत, उदय राम मंमगाईं, शिक्षणेत्तर कर्मचारी अनिल पोखरियाल, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष अजयपाल सिंह नेगी एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन नमामि गंगे एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयोजक डॉ. विवेक रावत ने किया।

वहीं ग्राम सभा मरोड़ा में प्रधान उमराव सिंह, दर्शन सिंह, वन दरोगा राजे सिंह नेगी, वन आरक्षी दौलत सिंह नेगी सहित कुन्दर सिंह, विजय सिंह, गजे सिंह, गंगा सिंह, मनवर सिंह, सुरेश सिंह, सूरज सिंह, सुरेन्द्र सिंह, धीरज सिंह, ताजवर सिंह, बीरा देवी, रेखा, सुनीता ने देवदार के 100 पौधों का रोपण किया।

हरियाली बिना मानव जीवन की कल्पना करना व्यर्थ : श्वेता चौबे

एसएसपी श्वेता चौबे थाना लक्ष्मणझूला परिसर में लीची का पौधा रोपते हुए।

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी गढ़वाल श्वेता चौबे ने हरेला पर्व के अवसर पर थाना लक्ष्मणझूला परिसर में पुलिस कर्मियों के साथ आम, अनार, लीची आदि फलदार प्रजाति के पौधों का रोपण किया। एसएसपी ने कहा कि पेड़, पौधे, जंगल और हरियाली के बिना मानव जीवन की कल्पना करना व्यर्थ है। वृक्षों से हमें शुद्ध ऑक्सीजन मिलती है। घने वनों की हरियाली देखकर मन प्रफुल्लित हो उठता है। जनपद के समस्त थाना, पुलिस लाइन पौड़ी, फायर स्टेशन पौड़ी, कोटद्वार परिसर में आम, अमरुद, गुड़हल, पीपल, गुलाब, पपीते, बेल, आंवला आदि फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया। एसएसपी श्वेता चौबे ने कहा कि देश की समृद्धि में वृक्षों का भी महत्वपूर्ण योगदान है। राष्ट्र के हर नागरिक को अपने लिए और अपने राष्ट्र के लिए वृक्षारोपण करना चाहिए। इनकी जड़ें भूमि के कटाव को रोकने के साख-साथ हमें औषधियां, जड़ी बूटियां तथा जानवरों के लिए चारा भी उपलब्ध कराकर पृथ्वी की खाद्य श्रृखंला का संतुलन बनाये रखने में महत्पूर्ण योगदान देते हैं। एसएसपी ने कहा कि वनों के लगातार हो रहे कटान से मानव जीवन खतरे में पड़ता जा रहा है। मनुष्य जीवन बचाने के लिए वृक्षों को हर हाल में बचाना होगा। पेड़ हमें जीवन बचाने के लिए ऑक्सीजन देते हैं। जिनके अभाव में जीवन जीना मुश्किल होगा।

फलदार, छायादार प्रजाति के पौधों का किया रोपण, पर्यावरण संरक्षण पर दिया जोर

पौड़ी : सोमवार को हरेला पर्व के तहत विभिन्न स्थानों पर पौधरोपण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान फलदार, छायादार आदि पौधों का रोपण करते हुए पर्यावरण संरक्षण करने पर जोर दिया गया। सोमवार को विधायक राजकुमार पोरी ने कोट ब्लाक के देवार में फलदार पौधों का रोपण किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सीनियर जज अकरम अली ने मानव जीवन के लिए पौधो का महत्व व पौधरोपण एवं पर्यावरण सरंक्षण पर आधारित एक महीने तक चलने वाले जागरूकता अभियान में हिस्सा लेते हुए जिला न्यायालय के समीप पौधरोपण किया। इस मौके पर डीएफओ केएन भारती आदि शामिल रहे। कल्जीखाल के ग्राम दिवई में प्रमुख बीना राणा ने फलदार पौधों का रोपण कर हरेला कार्यक्रम का शुभारंभ किया। दिवई ग्राम में आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में प्रमुख बीना राणा व अन्य ग्रामीणों ने तीन सौ फलदार पौधों का रोपण किया। इस दौरान आम, अमरूद, नीबूं, संतरा, माल्टा, आंवला आदि पौधों का रोपण किया गया। बताया गया कि एक सप्ताह में 50 हजार फलदार पौध लगाने का लक्ष्य रखा है।

धामी सरकार का गैर जिम्मेदाराना रवैया जनता पर पड़ रहा भारी : माहरा

देवप्रयाग : कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि उत्तराखंड में धामी सरकार का गैरजिम्मेदाराना रवैया प्रदेश वासियों पर भारी पड़ रहा है। अधिकारियों पर मंत्रियों का नियंत्रण न होने पर लालफीता शाही हावी है। देवप्रयाग में रात्रि निवास के बाद करन माहरा सोमवार को यहां संगम में गंगा स्नान और रघुनाथ मन्दिर दर्शन को पहुंचे। पत्रकारों से वार्ता करते हुए उन्होंने कहा कि, चार धाम यात्रा व आपदा के समय मंत्री दूसरे राज्यों के भ्रमण में हैं। सीएम को खुद मंत्रियों को उनके दायित्वों की याद दिलानी पड़ रही है। लोनिवि, पर्यटन, बाढ़ मंत्री सतपाल महाराज तब दिल्ली में हैं, जब प्रदेश में 500 से अधिक सड़क बंद हैं, नदियों में बाढ़ की स्थिति है और यात्रा में मुश्किल बनी हुई हैं। प्रदेश में पिछले छह वर्षों में 39 पुल टूटे हैं और यहां वैली पुल बनाकर काम चलाया जा रहा है। वहीं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत कर्नाटक यात्रा पर हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष माहरा ने कहा कि 180 दिन बीतने के बाद भी भू–धंसाव की त्रासदी झेल रहे जोशीमठ वासियों का स्थायी पुनर्वास नहीं हो पाया है। (एजेंसी)

सोनप्रयाग—त्रियुगीनारायण मोटर मार्ग बंद, यात्री परेशान

चमोली : बीती रात हुई भारी बारिश के चलते सोनप्रयाग-त्रियुगीनारायण मोटर मार्ग त्रियुगीनारायण से पांच सौ मीटर पहले बंद हो गया है। नाले में पानी बढ़ने से मार्ग का कुछ हिस्सा बह गया है, जिससे यहां वाहनों की आवाजाही बंद हो गई है। स्थानीय लोगों ने शीघ्र मोटर मार्ग खोलने की मांग की है।

रविवार रात हुई भारी बारिश से त्रियुगीनारायण से पहले गदेरे का पानी सड़क को क्षतिग्रस्त कर गया। स्थानीय निवास महेंद्र सेमवाल ने बताया कि इससे वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बंद हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि संबंधित विभाग के साथ ही प्रशासन को सूचना देने के बाद भी समय पर मार्ग खोलने की कार्रवाई शुरू नहीं हो सकी। वहीं सावन का महीना शुरू होने के कारण त्रियुगीनारायण में दर्शनों के लिए आने वाले भक्तों को भी परेशानियां का सामना करना पड़ रहा है। कई लोग यहां पैदल चलने को मजबूर हो रहे हैं।

वहीं यात्री भी त्रियुगीनारायण नहीं पहुंच पा रहे हैं। बता दें कि त्रियुगीनारायण के ग्रामीणों का सोनप्रयाग प्रमुख बाजार है। उन्हें कई बार सोनप्रयाग आना पड़ता है। अधिकांश लोगों का कारोबार सोनप्रयाग में है। इसलिए मार्ग बंद होने के कारण उन्हें मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र मार्ग खोलने की मांग की है। (एजेंसी)

संगठन के स्थापना दिवस पर शहीदों के आश्रितों को किया सम्मानित

उत्तरकाशी : श्री विश्वनाथ पूर्व सैनिक कल्याण समिति उत्तरकाशी से जुड़े पूर्व सैनिकों ने संगठन का 16वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया।

इस अवसर पर जिला ओडिटोरियम में हॉल में पूर्व सैनिक सम्मेलन और शहीदों के आश्रितों को सम्मानित किया गया।

सोमवार को पूर्व सैनिक संगठन के स्थापना दिवस पर सुबह जिला अस्पताल मरीजों को फल एवं जूस इत्यादि वितरित किया गया। विश्वनाथ, शक्ति मंदिर और कंडार देवता सुख शांति हेतु हवन एवं पूजा अर्चना हुई। इसके बाद शौर्यस्थल ज्ञानसू में पूर्व सैनिकों ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर याद किया। कलक्ट्रेट स्थित ओडिटोरियम में पूर्व सैनिकों के सम्मेलन में संगठन की गतिविधियों पर विस्तार चर्चा हुई। संगठन के अध्यक्ष संरक्षक मेजर आरएस जमनाल ने बताया कि समिति का गठन पूर्व सैनिकों, वीर नारियों एवं उनके आश्रितों के कल्याण के लिए 17 जुलाई 2007 को हुई थी। तब से लेकर अब तक समिति लगातार अपने उद्देश्य और शासन प्रशासन के साथ मिलकर सामाजिक कार्यों और असहायों की मदद कर रही है। संगठन के अध्यक्ष सूबेदार मेजर बिरेंद्र सिंह नेगी ने कार्यक्रम की सफलता पर सभी पूर्व सैनिकों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर अध्यक्ष बिरेंद्र सिंह नेगी, कोषाध्यक्ष तेजमल शाह, गोपेश्वर प्रसाद भट्ट, बलवीर सिंह, शंभू पंवार, चंद्रमोहन पंवार, केसर चंद रमोला, एमएम भट्ट, जयनंद जोशी आदि थे। (एजेंसी)

सावन के पहले सोमवार को शिवालयों में उमड़े भक्त

उत्तरकाशी : सावन के पहले सोमवार को नगर के प्रसिद्ध काशी विश्वनाथ मंदिर समेत जिले भर के शिवालय ऊं नमः शिवाय के मंत्रोच्चारण के साथ गुंजायमान रहे। इस दौरान सभी भक्तों ने वेलपत्र, पुष्प, प्रसाद एवं श्रीफल लेकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया और अपनी मनोकमना पूर्ण होने की प्रार्थना की।

उत्तरकाशी में सोमवार को प्रातःकाल से ही गंगाघाट और शिवालय पूजा अर्चना, मंत्रोच्चारण और घंटियों की ध्वनियों से गूंजायमान रहे।

लवकुश महादेव शिवालय में श्रावणी मेला शुरू, दूर–दूर से पहुंच रहे श्रद्धालु

चमोली : कड़ाकोट क्षेत्र के प्रसिद्ध लवकुश महादेव शिवालय में श्रावणी मेला शुरू हो गया है। पहले सोमवार की पूजा के लिये नारायण बगड़, थराली और घाट से बड़ी संख्या में श्रद्धालु रविवार को ही पहुंच गये। सोमवार को उद्घाटन कविता नेगी, फार्मासिस्ट ने किया। इस दौरान मंदिर के मुख्य पुजारी अर्जुन सिंह, अजीत सिंह और दयाराम सती ने विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। सुबह मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने विधि विधान से श्रावणी मेले का शुभारम्भ किया। कविता नेगी ने बताया कि मंदिर समिति जिस तरह

से श्रावणी मेले में दूर-दूर के श्रद्धालुओं की रहने खाने और विधि विधान से पूजा सम्पन्न कराने में तत्पर है उससे शिवालय में दूर-दूर से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। श्रावणी मेला के अध्यक्ष सुजान सिंह मेहरा ने बताया कि श्रावण मास के पहले सोमबार की श्री रघुवीर सिंह नेगी ग्राम टेटुडा वालों के द्वारा भंडारा दिया गया। एवम आगे आने वाले श्रवण मास के सभी सोमवार को मंदिर में श्रद्धालुओं के सहयोग से भण्डारा लगाया जायेगी। साथ ही रहने की व्यवस्था मंदिर समिति की तरफ से पूर्व की तरह रहेगी। इस अवसर पर पर मंदिर समिति के पदाधिरियों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मंदिर में दर्शन व अभिषेक किया।

समिति के सुजान सिंह, अर्जुन सिंह, सतेंद्र सिंह, सुरजीत नेगी, जगमोहन रावत, महाबीर सिंह, जगदीश सती, राजेन्द्र सिंह, गंगा सिंह, अब्बल सिंह, भूपेन्द्र सिंह, दलवीर सिंह, महेन्द्र सिंह शामिल रहे। (एजेंसी)

नवनियुक्त डीएम को क्षेत्र की समस्याएं बताई

नई टिहरी : जिले के चार ब्लॉक प्रमुखों ने नवनियुक्त जिलाधिकारी मयूर दीक्षित से मुलाकात कर क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराया।

डीएम ने कहा कि उनकी कोशिश रहेगी कि क्षेत्र पंचायत की बैठक में वह स्वयं उपस्थित रहें, ताकि जनप्रतिनिधियों की समस्याओं का निराकरण मौके पर होने के साथ ही जिले की गतिविधियों की भी जानकारी ले सकें। जिले के ब्लॉक प्रमुख संगठन के अध्यक्ष और नरेंद्रनगर के प्रमुख राजेंद्र भंडारी के नेतृत्व में डीएम से मुलाकात की। उन्होंने दैवीय आपदा में ब्लॉकों को भी धनराशि देने, जीर्णशीर्ण स्कूल भवनों की मरम्मत से लेकर अन्य समस्याओं के निराकरण की मांग की। साथ ही क्षेत्र पंचायत की बैठक में डीएम से उपस्थित रहने का आग्रह किया। डीएम मयूर दीक्षित ने कहा कि क्षेत्र पंचायत की बैठक केवल खानापूर्ति के लिए नहीं होनी चाहिए। इसमें आधिकारिक समस्याओं का निराकरण होना चाहिए। कहा कि क्षतिग्रस्त स्कूलों की मरम्मत हेतु दो-दो लाख तक आगणन ब्लॉक के माध्यम से प्रस्तुत करें। (एजेंसी)

गोपीनाथ मंदिर में रुद्राभिषेक और शिव महापूजन शुरू

चमोली : गोपेश्वर स्थित गोपीनाथ मंदिर में एक माह तक आयोजित होने वाला रुद्राभिषेक और शिव महापूजन वेद मंत्रों के साथ आरंभ हो गया है। सोमवार को बड़ी संख्या में मंदिर में पूजा-अर्चना को श्रद्धालु उमड़े। रुद्राभिषेक और शिव महापूजन के शुभारंभ पर भव्य कलश यात्रा निकाली गई। महिलाओं ने कलश यात्रा के साथ बेल पत्र के पौधों का भी रोपण किया।

पौधरोपण के साथ पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी भी लें : विधायक

टिहरी : घनसाली में क्षेत्रीय विधायक शक्ति लाल शाह ने शिवपूजा करने के बाद हरेला पर्व पर वन विभाग के साथ विभिन्न स्थानों पर पौधरोपण कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। विधायक ने कहा कि पौधरोपण के साथ इन पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी भी लें। भाजपा के हरेला कार्यक्रम जनपद टिहरी के जिला संयोजक सुशील बहुगुणा ने चम्बा मंडल के चौपड़ियाल गांव बूथ पर 100 पौधे रोपे। वहीं, स्थानीय कार्यकर्ताओं को इनके संरक्षण की जिम्मेदारी दी। इस अवसर पर उन्होंने पिछले साल लगाए गए 100 पौधों का मूल्यांकन भी किया। उन्होंने देखा कि 80 पेड़ अभी भी जिन्दा हैं, जिन्हें महिला मंगल दल द्वारा संरक्षित किया जा रहा है। हेनब गढ़वाल विवि परिसर बादशाहीथौल टिहरी में परिसर निदेशक प्रो एए बौड़ाई की अध्यक्षता में हरेला पर्व मनाते हुए परिसर, पुस्तकालय, प्रशासनिक भवन, कला, विज्ञान एवं वाण्ज्यि संकाय के आसपास सघन पौधे रोपे गए। पुस्तकालय विभाग के विभागाध्यक्ष एवं पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. हंसराज बिष्ट ने अवगत कराया कि परिसर में खाली स्थान पर बाँज, देवदार, आड़ू, चुलू, खुमानी, अमरूद, नाशपती आदि के 50 पौधे रोपे गए हैं। (एजेंसी)

सम्पादकीय

औपचारिकताओं की छापामारी

राज्य हो या फिर केंद्र, सरकार का यह कर्तव्य है कि वह अपने नागरिकों को उचित दामों पर वस्तुएं उपलब्ध कराए, खासतौर से दैनिक उपभोग की वस्तुएं, जो कि आम नागरिक के नियमित जीवन यापन से जुड़ी हुई हो। निश्चित तौर पर खाद्य पदार्थों के दामों को लेकर मूल्य नियंत्रण बेहद जरूरी है लेकिन आमतौर पर कालाबाजारी एवं कमीशन खोरी मूल्य नियंत्रण को प्रभावित करती है। पिछले कुछ समय से खाना बनाने में सर्वाधिक प्रयोग किया जाने वाला टमाटर मुंह फुलाए बैठा है क्योंकि इसके दाम आम आदमी की पहुंच से दूर होते जा रहे हैं। दलील दी गई है कि बरसात के कारण टमाटर की आवक नहीं हो पा रही है जिस कारण मंडियों में दाम बेतहाशा तौर पर बढ़ गए हैं। इधर कीमतें एक बार बढ़नी शुरू हुई तो सरकार के लिए कीमतों पर लगाम करना बेहद मुश्किल हो गया। 20 प्रति किलो से दाम कम ढाई 100 प्रति किलो पहुंच गया पता ही नहीं चला और सरकार की तमाम मूल्य नियंत्रण थ्योरी धरी की धरी रह गई। जब दाम थमने नजर नहीं आए और टमाटर के दाम को लेकर हाहाकार मचने लगा तो सरकार की ओर से बहुत देर बाद 80 प्रति किलो के हिसाब से मंडियों में टमाटर की बिक्री शुरू की गई लेकिन यह योजना प्रभावी साबित नहीं हुई। दाम नियंत्रण काबू से बाहर होने के बाद मुनाफाखोरी एवं जमाखोरी पर लगाम कसने के लिए छापेमारी की कार्रवाई शुरू की गई लेकिन हर बार की तरह यह मैसेज औपचारिकता से अधिक कुछ साबित नहीं हुई। मंडियों में कार्रवाई के नाम पर कुछ कारोबारियों के प्रतिष्ठानों के आगे नोटिस चस्पा किए गए लेकिन दाम इस कार्रवाई के बाद भी नियंत्रण में आए हो ऐसा कुछ नजर नहीं आया। इधर लोगों का रुझान टमाटर की तरफ इसकी पहुंच से बाहर होती कीमतों के कारण कम होता गया तो मंडियों में भी दुकानदारों ने उठान कम करना शुरू कर दिया। इसका कुछ असर देखने को भी मिला और जो टमाटर दो सौ से ढाई सौ रुपए प्रति किलो तक में बिकने को तैयार था उसके दाम गिर कर साधारण मंडियों में 100 तक आ गए। अब राज्य सरकार भले ही दामों के कम होने के पीछे अपनी दलीलें दे रही हो लेकिन इसका प्रमुख कारण सरकार की छापामारी नहीं बल्कि टमाटर की बिक्री में आई गिरावट है। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है कि किसी खाद्य पदार्थ के दाम बढ़ने के बाद अफरातफरी का माहौल पैदा हुआ हो लेकिन जब तक सरकार का खाद्य तंत्र सोती नींद से जाता है तब तक मुनाफाखोरी एवं कमीशन खोरो की चांदी हो चुकी होती है। प्याज के दाम तो अक्सर आम जनता के आंसू निकालते रहते हैं, लेकिन दाम नियंत्रण को लेकर सरकारी तंत्र ना जाने क्यों मौन धारण कर परिस्थितियों के बेकाबू होने की प्रतीक्षा करता रहता है? टमाटर के दाम आसमान छूने के बाद अब मंडियों में छापेमारी की कार्रवाई की जा रही है लेकिन जिला प्रशासन शायद यह भूल गया कि उपभोक्ताओं द्वारा खरीदारी एवम उठान कम होने एवं बिक्री में आई गिरावट से दाम खुद ही 80 से 100 तक पहुंच चुके हैं। हर सीजन में यह स्थिति देखने को मिलती है जिसमें कुछ खास वस्तुओं के दाम बेकाबू होते हैं और आम लोगों की पहुंच से बाहर हो जाते हैं, शुरुआती दौर में सरकार की तरफ से कोई प्रभावी कदम नहीं उठाए जाते जिस कारण ना केवल महंगाई को लेकर सरकार को कोसा जाता है बल्कि आम आदमी के लिए अपनी रसोई के बजट में कटौती करना भी उसकी व्यवस्था बन जाती है।

36 साल, शांति सेना, मैं और आदरांजलि

राजीव ने शाति सेना इसलिए श्रीलंका भेजी थी कि वहां के तमिल बहुल इलाक़ों में लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव हो जाएं। जयवर्द्धने ने इस के लिए ज़रूरी क़दम भी भारत के आग्रह पर उठा लिए थे। जब चीज़ें सही दिशा में बढने़ लगीं तो वैश्विक दादागिरी की कुख्यात शक्तियां सक्रिय हुईं, राजीव की अगुआई में बहुत तेज़ी से शक्तिशाली हो रहा भारत उनकी आंखों में वैसे ही खटक रहा था, सो कुछ ऐसा हुआ कि एक दिन लिट्टे ने अपने हथियार फिर उठा लेने का ऐलान कर दिया और तब शांति सेना की बंदूकों को अपना रुख़ बदलना पड़ा। श्रीलंका के बहुसंख्यक सिंहली समाज द्वारा लगातार किए जा रहे राज्य–समर्थित सघन–भेदभाव की वज़ह से अल्पसंख्यक तमिल समुदाय को मिली आम सहानुभूति तो बरकरार रही, मगर पश्चिम के भूमिगत राजनयिक संसार के इशारे पर हुए लिट्टे–प्रमुख वेलुपिल्लई प्रभाकरन के रंगबदलूपन से राजीव–जयवर्द्धने समझौता अलग चक्रव्यूह में फंस गया।

मैं उस ज़माने में उन्हीं छोटे–छोटे समूहों में जाफ़ना ले जाए गए, और पिछले कुछ दशकों में अपने बाज़ार–कौशल से स्वनामधन्य बन गए, अंग्रेज़ी के और टूटी–फूटी अंग्रेज़ी–हिंदी के, ऐसे तीन–चार पत्रकारों को भीतर तक जानता हूं, जो भारतीय शांति सेना को श्रीलंका भेजने के राजीव गांधी के क़दम को पिछले कुछ बरसों से एक तरह से देशद्रोह सरीख़ा बताने में दिन–रात लगे हुए हैं। इन में से एक उम्र में अपने गंभीर शर्करा–असंतुलन की वज़ह से, दिखता मुझे दस साल बड़ा है, लेकिन है मेरी ही उम्र का।

पंकज शर्मा

कोई मेरी सुने तो मैं तो कहूंगा कि इस महीने की 29 तारीख़ को, जब भारत के प्रधानमंत्री राजीव गांधी और श्रीलंका के राष्ट्रपति जयवर्द्धने के बीच हुए समझौते को 36 बरस पूरे हों तो कांग्रेस भारतीय शाति सेना की कुर्बानी को याद करे और मल्लिकार्जुन खडग़े और राहुल गांधी शांति सेना के कालजयी योद्धाओं को समारोहिक आदरांजलि अर्पित करें। यह दरअसल सालाना–प्रसंग होना चाहिए।

35 साल पहले, 1988 में, मैं भारतीय शाति सेना के साथ जाफ़ना के जंगलों में था। हमारी शांति सेना राष्ट्रपति जूनियस रिचर्ड जयवर्द्धने के आग्रह पर श्रीलंका पहुंची थी। लिट्टे और श्रीलंका सरकार के बीच चल रही घनघोर लड़ाई में श्रीलंका–सेना की मदद के लिए भारतीय शांति सेना तक़रीबन पौने तीन साल वहां रही। इस दौरान चुनींदा पत्रकारों के कुछ छोटे–छोटे दल जाफ़ना ले जाए गए थे और ऐसे ही दो–एक दलों में नवभारत टाइम्स के संवाददाता के नाते मैं शामिल था। लेफ्टिनेंट जनरल ए. एस. कालकट तब शाति सेना के प्रमुख थे और हम लोगों से लंबी बातचीत किया करते थे।

उस ज़माने में जिन लोगों ने जाफ़ना के घने जंगलों में चप्पे–चप्पे पर, लिट्टे की बिछाई सुरंगों को, थोड़ा–बहुत साफ कर तैयार किए गए, पगडंडीनुमा रास्तों पर दिन–दिन भर मीलों चल कर, लिट्टे से निपटने में भारतीय शांति सेना की खून–पसीनाई देखी है, वे आप को बता सकते हैं कि हमारे सैन्य–इतिहास का यह गुमनाम अध्याय कितना गौरवमयी है। आज फ़ौज की हर उपलब्धि पर खु़द की पीठ को ज़ोर–ज़ोर से खु़द ही थपथपाने के हुनरमंद राजनीतिक रहनुमाओं के दौर में मैं श्रीलंका भेजी गई शाति सेना का ज़िक्रमैं इसलिए जानबूझ कर कर रहा हूं कि उस की कुर्बानियों को साज़िशन विस्मृत किया जा रहा है। और–तो–और, शांति सेना श्रीलंका भेजे जाने के तत्कालीन सरकार के फ़ैसले पर सवाल भी दागे जाने लगे हैं।

सो, कोई मेरी सुने तो मैं तो कहूंगा कि इस महीने की 29 तारीख़ को, जब भारत के प्रधानमंत्री राजीव गांधी और श्रीलंका के राष्ट्रपति जयवर्द्धने के बीच हुए समझौते को 36 बरस पूरे हों तो कांग्रेस भारतीय शाति सेना की कुर्बानी को याद करे और मल्लिकार्जुन खडग़े और राहुल गांधी शांति सेना के कालजयी योद्धाओं को समारोहिक आदरांजलि अर्पित करें। यह दरअसल सालाना–प्रसंग होना चाहिए। बीच में शांति सेना की स्मृतियों को सहेजे रखने के लिए उस के कुछ पुराने योद्धाओं ने वार्षिक आयोजन शुरू किए थे। लेकिन वे 'जंगल में मोर नाचा' साबित हुए। जाफ़ना के जंगलों का पराक्रम सत्ता–वन की राजधानी के झुरमुटों में खो गया।

हालांकि यह अलग बात है कि तब की बेहद प्रभावशाली अंतरराष्ट्रीय ताक़तों ने लिट्टे और भारतीय शांति सेना के बीच समीकरण बदलने में बाद में कामयाबी हासिल कर ली थी, मगर कांग्रेस को इसलिए कोई लज्जा–बोध नहीं होना चाहिए कि राजीव ने जयवर्द्धने से एक बेहद नेकनीयत समझौता किया था, उस का मक़सद श्रीलंका में चल रहे गृहयुद्ध में जयवर्द्धने की सैन्य–मदद के बजाय शांति स्थापना में भूमिका अदा करने का था और जो लिट्टे श्रीलंका की सेना के सामने झुकने को कतई तैयार नहीं था, उस ने भारतीय शाति सेना को अपने हथियार खु़शी–खु़शी सौंप दिए थे।

यह मामूली बात नहीं थी। श्रीलंका में भारतीय शाति सेना हमारे सैन्य–इतिहास की अकेली ऐसी मिसाल है, जब भारतीय सेना को दीर्घकालीन अवधि के लिए विदेशी भूमि पर भेजा गया था। भारतीय सेना की टुकडि़यां संयुक्त राष्ट्रसंघ के मिशन पर ही कुछ समय के लिए भेजी जाती रही हैं।

सिर्फ़ एक ही मौक़ा और आया था, जब 1988 में ही मालदीव के राष्ट्रपति मैमून अब्दुल गय्यूम के तख़्ता–पलट की कोशिश को नाकाम करने के लिए राजीव गांधी ने भारतीय सेना का एक दस्ता भेजा था। लेकिन वह दो–चार दिनों की बात थी। पूर्वी पाकिस्तान को नागरिकों के मानवाधिकारों की रक्षा के लिए भारत ने अपनी भूमिका इसलिए निभाई थी कि पाकिस्तान प्रजातीय–दमन कर रहा था।

राजीव ने शाति सेना इसलिए श्रीलंका भेजी थी कि वहां के तमिल बहुल इलाक़ों में लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव हो जाएं। जयवर्द्धने ने इस के लिए ज़रूरी क़दम भी भारत के आग्रह पर उठा लिए थे। जब चीज़ें सही दिशा में बढने़ लगीं तो वैश्विक दादागिरी की कुख्यात शक्तियां सक्रिय हुईं, राजीव की अगुआई में बहुत तेज़ी से शक्तिशाली हो रहा भारत उनकी आंखों में वैसे ही खटक रहा था, सो कुछ ऐसा हुआ कि एक दिन लिट्टे ने अपने हथियार फिर उठा लेने का ऐलान कर दिया और तब शांति सेना की बंदूकों को अपना रुख़ बदलना पड़ा।

श्रीलंका के बहुसंख्यक सिंहली समाज द्वारा लगातार किए जा रहे राज्य–समर्थित सघन–भेदभाव की वज़ह से अल्पसंख्यक तमिल समुदाय को मिली आम सहानुभूति तो बरकरार रही, मगर पश्चिम के भूमिगत राजनयिक संसार के इशारे पर हुए लिट्टे–प्रमुख वेलुपिल्लई प्रभाकरन के रंगबदलूपन से राजीव–जयवर्द्धने समझौता अलग चक्रव्यूह में फंस गया।

मैं उस ज़माने में उन्हीं छोटे–छोटे समूहों में जाफ़ना ले जाए गए, और पिछले कुछ दशकों में अपने बाज़ार–कौशल से स्वनामधन्य बन गए, अंग्रेज़ी के और टूटी–फूटी अंग्रेज़ी–हिंदी के, ऐसे तीन–चार पत्रकारों को भीतर तक जानता हूं, जो भारतीय शांति सेना को श्रीलंका भेजने के राजीव गांधी के क़दम को पिछले कुछ बरसों से एक तरह से देशद्रोह सरीख़ा बताने में दिन–रात लगे हुए हैं। इन में से एक उम्र में अपने गंभीर शर्करा–असंतुलन की वज़ह से, दिखता मुझे दस साल बड़ा है, लेकिन है मेरी ही उम्र का। दूसरा ज़रूर मुझ से बारह साल बड़ा है। शक्कर–दोष तो उस का भी कम नहीं है, लेकिन मेकओवर की आधुनिक तकनीकों को दुबई जा कर अपनी काया में आत्मसात कर लाया है। इसलिए ऊपर से दस साल से कम का दिखता है।

दोनों गज़ब की हरफ़नमौलाई करने का ढोंग जानते हैं। संसार का कोई विषय ऐसा नहीं है, जिस का ये अपने को विशेषज्ञ नहीं मानते हैं। पत्रकारिता में चूंकि यह दौर अर्द्धशिक्षित या पूर्णतः अशिक्षित नन्हे–मुन्ने राहियों का है, सो, वे बेचारे यूरेका–मुद्रा में इन दो–चार लोगों की ज़ोरशोर से आरती उतारते रहते हैं। श्रीलंका और लिट्टे की अंतर्गाथा में बहुत–से घुमाव हैं, मगर इस के चलते राजीव द्वारा भारतीय शाति सेना भेजने के पीछे मी मंशा पर संदेह खड़े करने और शाति सेना के योगदान का अवमूल्यन करने की कोशिशें मेरे हिसाब से देशद्रोह हैं।

आज भी 57, 54 और 36 इन्फेंट्री डिवीजन से ले कर वायुसेना के 33 स्क्वेड्रन और 109 हैलीकॉप्टर यूनिट से ले कर जलसेना के 321 स्क्वेड्रन तक में रहे ऐसे पचासों सैनिक–अधिकारी आप को मिल जाएंगे, जिन के मन में जाफ़ना में शाति सेना के दिनों की यादें ज़िंदा हैं। मैरीन कमांडो फोर्स के वे लोग भी अभी मौजूद हैं, जो आप को बता सकते हैं कि भारतीय शांति सेना की श्रीलंका में मौजूदगी के क्या सामाजिक मायने थे। आज जो स्वयंभू उन के योगदान को अपने लुच्चागिरी की भट्टी में स्वाहा करने पर उतारू हैं, उन का कच्चा–चिा भी, जिन्हें मालूम है, मालूम है। इसलिए मेरी उन्हें सलाह है कि जऱा अपने गिरेबां में भी ठीक से झांक लें।

बाज़ारू–घराने के इन तबलावादकों को सकारात्मक विमर्श की संगीत संध्याओं से बाहर किए बिना अब बात नहीं बनेगी। सैन्य विरासतों को अपने सियासी फ़ायदों के लिए खु़द के सेहरे पर टांक लेने और दूसरों की सच्ची उपलब्धियों को बदनाम गलियों में ठेल देने के कुचक्र नौ साल में बहुत हो लिए। 2014 के पहले अगर कुछ हुआ ही नहीं था तो क्या हम ऐसे ही टहलते हुए यहां तक पहुंच गए? यह समय मुंहतोड़ जवाब देने का तो है ही, सख़्ती से जवाब तलब करने का भी है।

आज के हालात ऐसे इसलिए हैं कि एक दशक में जवाबतलबी करने का हमारा आत्मविश्वास डिग गया है। जिस दिन यह खु़दएतिमादी हमारी रक्त शिराओं का अटूट हिस्सा फिर बन जाएगी, ज़िल्लेसुब्हानी के मिथ्याचार का परदा गिर जाएगा।

निर्णय कम, बातें ज्यादा

यूक्रेन के लिए फैसला ऐसा हुआ, जिसकी दोनों तरह से व्याख्या हो सकती है। ऊपर से लगता है कि नाटो की सदस्यता को हरी झंडी दे दी गई, लेकिन इसमें सभी सदस्य देशों सहमति और अन्य कसौटियों के पूरा होने की शर्त लगा दी गई। ये शर्तें जल्द भी पूरी हो सकती हैं, लेकिन इनके जरिए इस निर्णय को अनिश्चितकाल तक या फिर हमेशा के लिए टाला जा सकता है। इसलिए यह अकारण नहीं है कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदीमीर जेलेन्स्की शिखर सम्मेलन से निराश हुए। उधर टोक्यो में यूक्रेन का दफ्तर खोलने का पहले से घोषित इरादा भी टाल दिया गया।

अमेरिकी रणनीतिकार अक्सर कहते सुने जाते हैं कि रूस मौसम में बदलाव है, जबकि चीन जलवायु परिवर्तन है। यानी चीन अमेरिकी वर्चस्व के लिए वास्तविक चुनौती पेश कर रहा है। इसलिए चीन के आसपास घेरा डालना उनकी आज प्रमुख रणनीति है।

उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के लिथुआनिया में हुए शिखर सम्मेलन में उग्र बातें तो खूब हुईं, लेकिन जिन दो फैसलों पर नजर थी, उन पर आखिर में ठोस फैसले को टाल दिया गया। निगाहें इस पर थीं कि क्या नाटो नेतृत्व जापान में अपना दफ्तर खोलने के एलान पर मुहर लगाता है और क्या यूक्रेन को नाटो की सदस्यता देने का फैसला होता है? यूक्रेन के लिए फैसला ऐसा हुआ, जिसकी दोनों तरह से व्याख्या हो सकती है। ऊपर से लगता है कि नाटो की सदस्यता को हरी झंडी दे दी गई, लेकिन इसमें सभी सदस्य देशों सहमति और अन्य कसौटियों के पूरा होने की शर्त लगा दी गई। ये शर्तें जल्द भी पूरी हो सकती हैं, लेकिन इनके जरिए इस निर्णय को अनिश्चितकाल तक या फिर हमेशा के लिए टाला जा सकता है। इसलिए यह अकारण नहीं है कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदीमीर जेलेन्स्की शिखर सम्मेलन से निराश हुए। उधर टोक्यो में यूक्रेन का दफ्तर खोलने का पहले से घोषित इरादा भी टाल दिया गया। स्पष्टतः ऐसा फ्रांस के विरोध के कारण हुआ। जापान में कार्यालय खुलने का मतलब नाटो का एशिया में औपचारिक रूप से विस्तार है।

अमेरिकी रणनीतिकार अक्सर कहते सुने जाते हैं कि रूस मौसम में बदलाव है, जबकि चीन जलवायु परिवर्तन है। यानी चीन अमेरिकी वर्चस्व के लिए वास्तविक चुनौती पेश कर रहा है। इसलिए चीन के आसपास घेरा डालना उनकी आज प्रमुख रणनीति है। इसीलिए उन्होंने नाटो प्लस का प्रस्ताव रखा है। दो बार से नाटो शिखर सम्मेलन में जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड को आमंत्रित करने के पीछे भी यही सोच है। इसलिए टोक्यो कार्यालय का मसला एक प्रमुख एजेंडा था। लेकिन संकेत हैं कि इस मुद्दे पर फ्रांस सहित कई यूरोपीय देशों की अलग सोच है, जिनकी चिंता यूरोपीय सुरक्षा तक सीमित है। वैसे अनुभव यह है कि अमेरिका जो चाहता है, वह देर–सबेर अपने सहयोगी देशों से मनवा लेता है। इसलिए यह प्रस्ताव हमेशा के लिए टल गया है, यह मानना भूल होगी। आखिर, गौरतलब यह है कि इस बार भी नाटो घोषणापत्र में चीन आलोचना का एक प्रमुख निशाना बना रहा।

समुदायों के बीच अलगाव बढ़ाने का काम

मणिपुर में इस बात की सबसे ज्यादा चर्चा है कि हिंदू मैती और कुकी आदिवासी के बीच विवाद चल रहा है लेकिन सोचें, इस विवाद में चर्च तोडने़ या जलाने का क्या मतलब है? मणिपुर जैसे छोटे से राज्य में पिछले दो महीने में 357 चर्च तोड़े गए हैं। मणिपुर में चर्च तोड़े जाने के विरोध में मिजोरम भाजपा के उपाध्यक्ष आर वनरामछौंगा ने इस्तीफा दिया है। क्या इसलिए कि आदिवासी धर्म बदल कर ईसाई बने हैं? ध्यान रहे 2011 की जनगणना के हिसाब से मणिपुर में साढ़े आठ फीसदी के करीब मुस्लिम हैं। 32 लाख की आबादी वाले मणिपुर में ढाई लाख के करीब मुस्लिम हैं। लेकिन आश्चर्यजनक रूप से वहां मुस्लिम निशाने पर नहीं हैं और न मस्जिदें निशाने पर हैं।

हरिशंकर व्यास

उत्तर से लेकर दक्षिण और पूरब से लेकर पश्चिम तक किसी न किसी रूप में समुदायों के बीच अलगाव बढ़ाने वाले काम हो रहे हैं। दुर्भाग्य से यह काम या तो सरकारी तौर पर हो रहा है या सत्तारूढ़ दल के समर्थन से हो रहा है। भाजपा के नेता कांग्रेस और लेफ्ट के ऊपर टुकड़े टुकड़े गैंग का आरोप लगाते हैं लेकिन भाजपा की सरकारें और उनके समर्थकों की तरफ से लगातार ऐसे काम हो रहे हैं, जिनसे टुकड़े होने का खतरा पैदा होता है। अलग अलग गैर हिंदू समुदायों की परीक्षा ली जा रही है, उनके संयम को आजमाया जा रहा है। ऐसा नहीं है कि सिर्फ मुस्लिम समुदाय के लोग इसका शिकार हो रहे हैं। हर अल्पसंख्यक समुदाय के लोग इस तरह की घटनाओं में निशाने पर है।

मणिपुर में इस बात की सबसे ज्यादा चर्चा है कि हिंदू मैती और कुकी आदिवासी के बीच विवाद चल रहा है लेकिन सोचें, इस विवाद में चर्च तोडने़ या जलाने का क्या मतलब है? मणिपुर जैसे छोटे से राज्य में पिछले दो महीने में 357 चर्च तोड़े गए हैं। मणिपुर में चर्च तोड़े जाने के विरोध में मिजोरम भाजपा के उपाध्यक्ष आर वनरामछौंगा ने इस्तीफा दिया है। क्या इसलिए कि आदिवासी धर्म बदल कर ईसाई बने हैं? ध्यान रहे 2011 की जनगणना के हिसाब से मणिपुर में साढ़े आठ फीसदी के करीब मुस्लिम हैं। 32 लाख की आबादी वाले मणिपुर में ढाई लाख के करीब मुस्लिम हैं। लेकिन आश्चर्यजनक रूप से वहां मुस्लिम निशाने पर नहीं हैं और न मस्जिदें निशाने पर हैं। वहां आदिवासी और चर्च निशाने पर हैं। पूर्वोत्तर के कुछ राज्यों में और केरल, कर्नाटक जैसे दक्षिणी राज्यों में ईसाई समूह निशाने पर है। उनके ऊपर हमले हो रहे हैं।

बाकी हिस्सों में मुस्लिम समुदाय को टारगेट किया जा रहा है। देश में इस समय समान नागरिक संहिता यानी यूसीसी की चर्चा चल रही है और इस चर्चा के बीच असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा है कि उनकी सरकार कानून बना कर बहुविवाह को रोकेगी। सोचें, जब विवाह, तलाक, गोद लेने और संपत्ति के कानून को ही एक जैसा बनाने के लिए यूसीसी लाया जा रहा है तो फिर असम में बहुविवाह रोकने के लिए अलग कानून लाने की क्या जरूरत है? जाहिर है इसका मकसद राज्य की 32 फीसदी के करीब मुस्लिम आबादी को यह संदेश देना है कि सरकार कानून के जरिए उनकी धार्मिक परंपराओं और मान्यताओं को समाप्त कर सकती है। इसका मकसद विशुद्ध रूप से राजनीतिक है। ध्यान रहे कुछ समय पहले राज्य में मदरसों का सर्वे करने और उन्हें बंद कराने का अभियान चला था।

इसी तरह संविधान में धर्मांतरण को लेकर स्पष्ट रूप से प्रावधान है और उसी आधार पर कानून भी बना हुआ है लेकिन कई भाजपा शासित राज्यों ने लव जिहाद रोकने के नाम पर अपने अपने राज्य में धर्मांतरण विरोधी कानून बनाया। पिछले दिनों कर्नाटक में कांग्रेस सरकार ने वहां के इस कानून को निरस्त करने का फैसला किया। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने तीन तलाक को अवैध बताते हुए उसे खारिज किया था। लेकिन बाद में केंद्र सरकार ने संसद से कानून पास करा कर तीन तलाक को अपराध बनाया। मुस्लिम समुदाय ने तीन तलाक को अवैध बनाने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया था लेकिन उसे अपराध बनाने के सरकार के कानून को गैरजरूरी बताते हुए उसका विरोध किया था। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद तीन तलाक को अपराध बनाने का कानून यह मैसेज बनवाने के लिए था कि सरकार मुसलमानों को ठीक कर रही है।

ऐसे ही देश में अचानक ऐसी फिल्मों की बाढ़ आई है, जिसमें मुसलमानों को जिहादी, अत्याचारी और हिंदुओं का धर्मांतरण कराने वाला दिखाया जा रहा है। कश्मीर से हिंदुओं के पलायन पर 'कश्मीर फाइल्स' नाम से फिल्म बनी, जिसने सैकड़ों करोड़ रुपए का कारोबार किया। इसके बाद 'द केरल स्टोरी' नाम से फिल्म बनी, जिसमें बताया गया कि हजारों हिंदू लड़कियों को मुस्लिम बना कर उनको आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट में भर्ती कराया जा रहा है। हालांकि बाद में फिल्म बनाने वालों को आंकड़ा हटाना पड़ा क्योंकि उनके पास इसका कोई आधार नहीं था। इसके बाद '72 हूरें' नाम से फिल्म आई। हालांकि यह फिल्म चली नहीं है। हर बार इस तरह की फिल्म बनाने वालों का कहना होता है कि उनकी फिल्म किसी धर्म के खिलाफ नहीं है। लेकिन असल में वह एक खास धर्म के खिलाफ होती है, जिसका मकसद समाज में नफरत फैलाना होता है। हो सकता है कि उसमें कुछ तथ्य सही हों लेकिन उसका बुनियादी मकसद समुदायों के बीच दूरी बढ़ाना होता है। सरकार यूसीसी लाने की बात कर रही है, जिसका विरोध सिख समुदाय कर रहा है। उसकी सर्वोच्च संस्था शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने इसका विरोध किया है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने भी इसका विरोध किया है। मेघालय, नगालैंड, मिजोरम जैसे राज्यों में भाजपा की सहयोगी पार्टियों ने इसका विरोध किया है। केरल, तमिलनाडु और तेलंगाना की सरकारों ने इसका विरोध किया है। आदिवासी समूह इसका विरोध कर रहे हैं। लेकिन खुद प्रधानमंत्री इसकी वकालत कर रहे हैं। जबकि अभी तक इसका कोई मसौदा सरकार ने जनता के सामने नहीं रखा है लेकिन एक एजेंडे के तौर पर इसका हल्ला, प्रचार हो रहा है। सोशल मीडिया में इसे लेकर हो रही चर्चाओं को देखें तो ऐसा लगेगा कि इसका प्रचार मुसलमान को सबक सिखाने वाले कानून के तौर पर किया जा रहा है। साफ लग रहा है कि देश के नागरिकों को दो हिस्सों में बांटने का प्रयास हो है। पहला, निष्ठावान, भरोसेमंद, राष्ट्रवादी प्राथमिक नागरिक और दूसरा, अविश्वसनीय, संदिग्ध, दोयम दर्जे का नागरिक।

बारिश में भीगने के बाद इन 5 पेय पदार्थों का करें सेवन, शरीर को मिलेगी गरमाहट

मानसून के समय बच्चों से लेकर बड़ों तक, सभी बारिश में भीगना पसंद करते हैं, लेकिन इसके कारण खांसी और जुकाम जैसे वायरल संक्रमण के साथ–साथ बैक्टीरियल संक्रमण आसानी से हो जाते हैं। ऐसे में आपको बारिश में भीगने के बाद कुछ ऐसे गर्म पेय पदार्थों का सेवन करना चाहिए, जिनसे इन संक्रमणों से खुद को बचाया जा सके। आइये आज हेल्थ टिप्स में मानसून में पीने के लिए 5 स्वास्थ्यवर्धक पेय पदार्थ जानते हैं। **मसाला चाय** मानसून के मौसम में चाय का जिक्र न हो, ऐसा हो ही नहीं सकता। हालांकि, बारिश में भीगने के बाद राहत पाने के लिए सामान्य चाय की जगह मसाला चाय का सेवन करें। इसे बनाने के लिए सबसे पहले पानी में चाय पत्ती और चीनी डालकर उबालें, फिर इसमें दूध और चाय का मसाला डालकर अच्छे से दोबारा उबाल लें। चाय का मसाला बनाने के लिए बडिय़ां का फूल, दालचीनी, लौंग और इलायची को एक साथ पीस लें।

मसालेदार कॉफी कुछ लोग चाय के बजाय कॉफी पसंद करते हैं, लेकिन बारिश में भीगने के बाद मसालेदार कॉफी का विकल्प चुनें। इस गर्म पेय को बनाने के लिए एक लीटर पानी में कॉफी, इलायची पाउडर और अदरक डालकर उबालें। इसके बाद दूध में चीनी डालकर उसे गर्म कर लें और फिर इसे पानी के मिश्रण में डालें। अंत में कॉफी के ऊपर कद्दूकस की हुई चॉकलेट डालकर गरमागरम परोसें। **गर्म नींबू पानी** नींबू में विटामिन– सी होता है, जो प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने में मददगार है, साथ ही यह कई स्वास्थ्य और मौसमी समस्याओं से बचाव भी करता है। यह पेय विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने और ऑक्सीडेटिव तनाव के कारण होने वाली सूजन को रोकने में भी सहायक है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले एक गिलास गर्म पानी में नींबू का रस और थोड़ा–सा शहद मिलाएं, फिर इसका सेवन करें। विटामिन– सी से भरपूर इन पेय पदार्थों का भी सेवन करें।

अदरक शॉट अदरक का सेवन समग्र स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। इसमें जिंजरोल नाम का एक यौगिक होता है, जो शरीर को गरमाहट देता है और सर्दी और फ्लू जैसी समस्याओं से बचाता है।

अमृतसर में खुलेगा एनसीबी का दफ्तर, गृह मंत्री अमित शाह ने किया ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज घोषणा की है कि अमृतसर में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) का कार्यालय खुलेगा। अमित शाह ने यह घोषणा 10 प्रदेशों के साथ बैठक में की। एनसीबी कार्यालय खोलने के लिए पंजाब सरकार की तरफ से जमीन देने के लिए अमित शाह ने भगवंत मान सरकार का धन्यवाद किया। इसके लिए उन्होंने 12 करोड़ रुपए जारी करने की जानकारी दी। आज की बैठक नशे के कारोबार को खत्म करने के मुद्दे पर बुलाई गई थी।

बता दें कि हेरोइन व अन्य तरह के नशीले पदार्थों पर कंट्रोल करने के लिए पंजाब में कई सुरक्षा एजेंसियां काम कर रही हैं। पाकिस्तान से आने वाली हेरोइन की बड़ी खेतों को पुलिस व अन्य सुरक्षा एजेंसियां बरामद भी कर चुकी हैं। कई बड़े तस्करों को गिरफ्तार कर कारागार के पीछे भेजा जा चुका है।

भोपाल से दिल्ली जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस में लगी आग, मची अफरा–तफरी

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के बीना में दिल्ली–भोपाल वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन में आग लग गई है। ट्रेन आज सुबह भोपाल से दिल्ली जा रही है। आग की सूचना मिलते ही यात्रियों में अफरा–तफरी मच गई। आग लगने की वजह शार्ट सर्किट बताया जा रहा है। ट्रेन को रोक दिया गया है। आनन–फानन में रेलवे स्टाफ मौके पर पहुंचा। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।जानकारी के अनुसार, रानी कमलापति (भोपाल) से निज़ामुद्दीन (दिल्ली) जा रही वंदे भारत ट्रेन के –14 कोच में आग लग गई। ट्रेन में सफर कर रहे एक यात्री के मुताबिक आग बैटरी से लगी। ट्रेन संख्या 20171 भोपाल–हजरत निज़ामुद्दीन वंदे भारत सोमवार सुबह 5.40 बजे रवाना हुई थी। बीना रेलवे स्टेशन से पहले कुरवाई केथोरा में ट्रेन के सी–14 कोच में आग लग गई। कोच में करीब 36 यात्री सवार थे। सुबह 7:10 बजे ट्रेन को कुरवाई केथोरा में रोका गया और यात्री सुरक्षित उतर गए। फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची।

घटना के बारे में एक यात्री पवन कुमार ने बताया कि आग सी–14 कोच के नीचे लगी। सभी यात्रियों को बाहर निकल लिया गया है। ट्रेन रुकी तो देखा कि बैटरी में आग लगी हुई थी। ट्रेन को बीना रेलवे स्टेशन से पहले कुरवाई केथोरा में रोका गया। इधर स्थानीय ग्रामीणों ने भी आग बुझाने में फायर ब्रिगेड टीम की मदद की।

सेना ने पुंछ में एलओसी पर घुसपैठ की कोशिश को किया नाकाम, 2 आतंकवादी ढेर

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर के पुंछ सेक्टर में सोमवार को नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर एक संयुक्त अभियान में सेना और पुलिस ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया और दो आतंकियों को मार गिराया। सूत्रों के मुताबिक, खुफिया जानकारी के आधार पर यह ऑपरेशन चलाया गया।

एयर इंडिया फ्लाइट के अपहरण की चेतावनी देने वाले के खिलाफ एफआईआर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने रविवार को उस व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की, जिसने 'दिल्ली–तेल अवीव उड़ान के अपहरण' के संबंध में पुणे में एयर इंडिया के कॉल सेंटर को कॉल किया था।यह कॉल 13 जुलाई को की गई थी। कॉल करने वाले असम के रहने वाले अनुराग ने दावा किया कि उसने सुना है कि फ्लाइट को हाईजैक कर लिया गया है।

अमित शाह के साथ चिराग पासवान की अहम मुलाकात

राजग में उनका स्वागत: नड्डा

नई दिल्ली, एजेंसी। लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के मुखिया चिराग पासवान सोमवार को दिल्ली पहुंचे। यहां उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से उनके आवास पर मुलाकात की। कल यानी 18 जुलाई को होने वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की अहम बैठक से पहले हो रही इस मुलाकात पर सियासी जानकारों की नजर बनी हुई है। इसके थोड़ी देर बाद ही भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने चिराग के एनडीए में शामिल होने का एलान किया। उन्होंने कहा कि चिराग पास्वान ने राजग में शामिल होने का फैसला किया है। मैं राजग परिवार में उनका स्वागत करता हूं।

सूत्रों के मुताबिक, चिराग पासवान 2024 के आम चुनावों के लिए बिहार में अपनी पार्टी की लोकसभा सीटों की हिस्सेदारी को अंतिम रूप देने के लिए भाजपा के साथ बातचीत कर रहे हैं। इस बैठक को भी उसी से जोड़कर देखा जा रहा है। केंद्रीय मंत्री और बिहार से भाजपा के वरिष्ठ नेता नित्यानंद राय इससे पहले दो बार पासवान से मिल चुके हैं।

दिवंगत दलित नेता और चिराग के पिता राम विलास पास्वान के नेतृत्व में एलजेपी ने 2019 में छह लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ा था और भाजपा के साथ सीट–बंटवारे की व्यवस्था के तहत उन्हें एक राज्यसभा सीट भी मिली थी। चिराग पासवान चाहते हैं कि उनकी पार्टी में टूट के बावजूद भाजपा उसी व्यवस्था पर कायम रहे।

संसद के मानसून सत्र और आगामी लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा और विपक्ष के बीच अपने–अपने अगुवाई वाले गठबंधन का बड़ा दायरा दिखाने की रस्साकशी शुरू हो चुकी है। एक मंच पर आने की कवायद में सोमवार से दो दिनों के विपक्षी दलों के जुटान में 26 दलों के शामिल होने की चर्चा है। इसके जवाब में भाजपा मंगलवार को होने वाली राजग की बैठक में 30 से ज्यादा दलों को जुटाएगी।

विपक्ष के मुकाबले राजग की बढ़ी ताकत दिखाने के लिए भाजपा ने बीते एक हफ्ते में छह नए दलों को जोड़ा है। राजग में पहले से ही 24 दल शामिल थे। इन छह नए दलों के जुड़ने के बाद राजग में शामिल दलों की संख्या 30 से ज्यादा हो गई है। पार्टी सूत्रों ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में अकाली दल, तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी), आरएलएसपी और जदएस के साथ चुनाव पूर्व गठबंधन नहीं किया जाएगा।

मंगलवार की राजग की बैठक से पहले भाजपा ने एनसीपी अजित गुट, लोजपा रामविलास, हम, उपेंद्र कुशवाहा की आरएलएसपी, मुकेश सहनी की वीआईपी और ओमप्रकाश राजभर की सुभासपा को साधा है। राजग में भाजपा के अलावा शिवसेना शिंदे गुट, अन्नाद्रमुक, एनपीपी, एनडीपीपी, जेजेपी, एसकेएम, बीपीपी, आईएमकेएमके, आईटीएफटी, आजसू, एमएनएफ, तमिल मनीला कांग्रेस, पीएमके, अपना दल एस, एमजीपी, एजीपी, लोजपा, निषाद पार्टी, यूपीपीएल, अखिल भारतीय एनआर कांग्रेस पुदुचेरी, अकाली दल ढींडसा, आरपीआई और पवन कल्याण की जनसेना शामिल है।

38 दल आज की बैठक में होंगे शामिल

नई दिल्ली , एजेंसी। विपक्षी दलों की एकजुटता के लिए बेंगलुरु में चल रही बैठक के जवाब में भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की कल अहम बैठक होगी। इससे पहले भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने दावा किया कि हमारे 38 सहयोगियों ने कल होने वाली एनडीए बैठक में शामिल होने की पुष्टि की है। बता दें कि बेंगलुरु में आज से शुरू हुई दो दिवसीय विपक्षी दलों की बैठक में 26 राजनीतिक दलों के इकट्ठा होने की खबर सामने आई है। ऐसे में एनडीए की बैठक को सत्ता पक्ष के शक्ति प्रदर्शन के तौर पर देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले 9 वर्षों में हमने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मजबूत नेतृत्व देखा है, जिसकी कई लोगों ने सराहना की है। भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस भी बढ़ा है। पीएम ने कोविड–19 प्रबंधन में भी एक मिसाल कायम की है। पिछले 9 साल में एनडीए सरकार ने सुशासन का काम किया है और हम इस पर लगातार काम कर रहे हैं। सत्तारूढ़ गठबंधन की बैठक की पूर्व संध्या पर भाजपा प्रमुख ने कहा कि उन्होंने कहा कि एनडीए का गठबंधन भारत को मजबूत करने के लिए है, जबकि यूपीए नेतृत्वहीन और नीतिहीन है। यह फोटो खिंचवाने के अवसर के लिए अच्छा है। मोदी सरकार की योजनाओं, नीतियों के सकारात्मक प्रभाव के कारण एनडीए के घटक दल उत्साहित हैं।

पाकिस्तान में हिंदू मंदिर पर रॉकेट लॉन्चर से हमला, हिंदुओं के घरों पर अंधाधुंध गोलीबारी

कराची , एजेंसी। पाकिस्तान में सिंध के काशमोर में रविवार एक हिंदू मंदिर पर रॉकेट लॉन्चर से हमला किया गया।

हमलावरों ने मंदिर और आसपास बसे हिंदू समुदाय के घरों पर अंधाधुंध गोलीबारी भी की। गोलियों की आवाज सुनकर पुलिस मौके पर पहुंची। तब तक हमलावर फरार हो गए।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि रविवार को हमले के दौरान मंदिर बंद था, इसलिए ज्यादा नुकसान नहीं हुआ। हमलावरों ने मंदिर के पास रहने वाले हिंदू समुदाय के लोगों के घरों पर भी हमला किया। शुरुआती जांच के मुताबिक हमलावर 8 से 9 लोग थे। पुलिस उनकी तलाशी के लिए सर्च ऑपरेशन चला रही है। यह मंदिर बागड़ी समुदाय की ओर से आयोजित किए जाने वाले धार्मिक सेवाओं के लिए हर साल खुलता है।

पटना हाईकोर्ट ने बिहार सरकार पर लगाया 5 हजार का जुर्माना

याचिका पर जवाबी हलफनामा दायर न करने पर जताई नाराजगी

पटना, एजेंसी। प्राथमिक स्तर की शिक्षा मातृभाषा में देने की व्यवस्था से संबंधित याचिका की सुनवाई करते हुए पटना हाईकोर्ट ने राज्य सरकार पर पांच हजार का जुर्माना लगाया है। याचिका पर जवाबी हलफनामा दायर नहीं करने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए राज्य सरकार पर यह अर्थदंड लगाया है।न्यायाधीश पीबी बजनथ्री की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने नीरज कुमार झा द्वारा दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए सोमवार को अर्थदंड का निर्देश दिया है।

याचिकाकर्ता की अधिवक्ता सुगंधा प्रसाद ने बताया कि कोर्ट द्वारा मुख्य सचिव को तय समय सीमा के भीतर जवाबी हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया गया था। इसके बावजूद जवाबी हलफनामा दायर नहीं किया गया। यह मामला 26 सितंबर, 2002 को तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश रवि एस धवन व न्यायाधीश आरएन प्रसाद की खंडपीठ द्वारा दिए गए आदेश से संबंधित है। खंडपीठ ने स्पष्ट रूप से आदेश दिया गया था कि प्राथमिक स्तर पर बच्चों को उनकी मातृभाषा में शिक्षा देने के लिए शिक्षकों की नियुक्ति की जानी चाहिए।

राज्य व स्थानीय अधिकारी इसकी व्यवस्था करने के लिए बाध्य हैं। उल्लेखनीय है कि संविधान के 92वें संशोधन में मैथिली भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया था। प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में पठन–पाठन की व्यवस्था की जानी थी, लेकिन अब तक कोई उल्लेखनीय पहल नहीं हुई।

भाजपा के लिए ब्रज अवध और बुंदेलखंड की जमीन काफी मजबूत है लेकिन पूर्वांचल और पश्चिमी उत्तर प्रदेश को चुनौतीपूर्ण माना जाता है। दरअसल पूर्वांचल में कई सीटों पर मुस्लिम यादव के अलावा राजभर निषाद कुर्मी आबादी प्रभावकारी है। अपना दल (एस) और निषाद पार्टी पहले से राजग में हैं। राजभर वोटों की खातिर ही ओमप्रकाश राजभर से फिर से हाथ मिलाया है।

खजाने के लालच में पाकिस्तान में ढहाया गया 150 साल पुराना हिंदू मंदिर

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के कराची में सुबह सोल्जर बाजार स्थित 150 साल पुराना मारी माता का मंदिर ध्वस्त कर दिया गया। स्थानीय लोगों के मुताबिक, मंदिर को बीती देर रात को ध्वस्त किया गया, जब इलाके में बिजली नहीं थी। तभी मंदिर को बुलडोजर से ध्वस्त करने वाले लोग पहुंचे। उन्होंने मंदिर के बाहरी दीवारों और मुख्य द्वार को बरकरार रखते हुए अंदर की पूरी संरचना को तहत–नहस कर दिया। कथित तौर पर स्थानीय निवासियों का कहना है कि जिस वक्त बुलडोजर से मंदिर के ढांचे को ध्वस्त किया जा रहा था। उस वक्त उन्हें सुरक्षा देने के लिए पुलिस की गाडि़यां मौजूद थीं।

मारी माता का पवित्र मंदिर मुखी चोहितराम रोड पर स्थित है, जो सोल्जर बाजार पुलिस स्टेशन के बहुत करीब है। पास के एक और बहुत पुराने मंदिर, श्री पंच मुखी हनुमान मंदिर के श्री राम नाथ मिश्रा महाराज ने बताया कि यह एक बहुत पुराना मंदिर है।

सस्ता हुआ टमाटर, कीमतें हुईं धड़ाम, अब दाल में लगेगा तड़का, थाली में सजेगा सलाद

मेरठ , एजेंसी। अब सब्जी में टमाटर के साथ तड़का लग सकेगा और थाली में भी सलाद सज सकेगा।। मंडियों में आवक बढ़ते ही टमाटर के साथ ही अन्य सब्जियों के दाम कम होने लगे हैं। कांवड़ यात्रा के दौरान थोक में 200 रुपये किलो तक बिकने वाला टमाटर अब 30 रुपये किलो तक पहुंच गया है। मंडी में इसके सस्ता होते ही बाजार में भी जल्द ही यह सस्ते में उपलब्ध होगा। अन्य सब्जियों के दाम भी कम होने लगे हैं।

दरअसल, भारती बरसात और कांवड़ यात्रा के चलते मंडियों में टमाटर ही नहीं बल्कि अन्य सब्जियों की आवक कम हो गई थी।

हिमाचल में बारिश से इस बार टमाटर, गोभी समेत अन्य सब्जियों की फसलें 70 प्रतिशत तक खराब हुई हैं। इस कारण पिछले 10 दिन तक मंडियों में हिमाचल के टमाटर की आवक बेहद कम रही। ऐसे में टमाटर के दाम 150 से 200 रुपये किलो तक पहुंच गए। अब कांवड़ यात्रा पूरी होने के बाद मार्ग खुले और हिमाचल के साथ ही बंगलुरू से टमाटर मंडी पहुंचने लगा है। इससे टमाटर के दाम कम हुए हैं।

मेरठ में नवीन सब्जी मंडी में रविवार को हिमाचल का टमाटर थोक में 20 से 30 रुपये प्रति किलो तक बिका। वहीं, बंगलुरू से आने वाला टमाटर 80 से 100 रुपये किलो तक बिका। इसके अलावा मंडी में लौकी 18 रुपये किलो, बैंगन 20 रुपये प्रति किलो, भिंडी 30 रुपये किलो तक थोक भाव में बिकी।

सब्जी मंडी एसोसिएशन के प्रधान पदम सिंह सैनी, सरफराज अंसारी और गुलशन सेठी का कहना है कि हरी सब्जियों के दाम आवक पर आधारित होते हैं। रविवार से मंडी में सब्जियों की आवक बढ़ी है। हिमाचल का टमाटर बारिश में भीगा होने के कारण कमजोर हो गया है। यही कारण है कि यह टमाटर सस्ता है जबकि बंगलुरू का टमाटर महंगा है।नवीन मंडी समिति के सचिव विजिन कुमार का कहना है कि कांवड़ यात्रा के दौरान दस दिन तक आवक प्रभावित रही। अब सब्जियों की आवक बढ़ी है। इसलिए आने वाले दिनों में दाम कुछ और कम होंगे।

सिद्धू मूसेवाला को मारने के लिए दुबई से पाकिस्तानी सप्लायर ने भेजे थे हथियार, एनआईए का बड़ा खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाबी रैपर सिद्धू मूसेवाला की हत्या मामले में नेशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी ने बड़ा खुलासा किया है। एनआईए के मुताबिक मूसेवाला को मारने के लिए जिन हथियारों का इस्तेमाल किया गया था वो दुबई से आए थे और एक पाकिस्तानी सप्लायर ने भेजे थे। बता दें, ये पहली बार है जब पंजाबी सिंगर की मौत के मामले में किसी पाकिस्तानी का हाथ होने की बात सामने आई है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, दुबई के हथियार सप्लायर हामिद ने लॉरेन्स बिश्नोई गैंग को हथियार बेचे थे। हामिद ने बुलंदशहर के सप्लायर शहबाज अंसारी से भी मुलाकात की थी, जो अक्सर बिश्नोई गैंग को हथियार देता रहा है। हामिद की ओर से ही गोल्डी बराड़ ग्रुप को हथियार दिए जाते हैं।

बांग्लादेश : बुरीगंगा नदी में नाव पलटी, 3 की मौत

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेशी पुलिस अधिकारी ने सोमवार को कहा कि ढाका में बुरीगंगा नदी में एक नाव पलट गई। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जिनके शव बरामद कर लिए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अभी कई लोग लापता बताए जा रहे हैं। ढाका के कोतवाली पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी शाहीनुर रहमान ने बताया कि अब तक दो पुरुषों और एक लड़के का शव बरामद किया गया है।

33 सुनवाई के बाद, सुप्रीम कोर्ट मंगलवार को एसएनसी लवलिन मामले पर करेगी सुनवाई

तिरुवनंतपुरम ,(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट मंगलवार को केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन से जुड़े विवादास्पद एसएनसी लवलीन मामले की सुनवाई करेगा, जिसे 2017 में पहली बार शीर्ष अदालत में आने के बाद से 33 बार स्थगित किया जा चुका है। मामले की सुनवाई जस्टिस सूर्यकांत और दीपांकर दत्ता की खंडपीठ करेगी। मामले में स्थगन 2017 में शुरू हुआ और अब तक इसे 33 बार स्थगित किया जा चुका है।हर बार ऐसा होने पर केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्ष आरोप लगाता है कि यह कुछ राजनीतिक कारणों से सीपीआई (एम) और भाजपा के बीच गुप्त समझौते का हिस्सा है। यहां के कांग्रेस नेताओं का एक और आरोप यह है कि विजयन ने अभी तक विवादास्पद मुद्दों पर भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला नहीं किया है।मामले में सीएम विजयन को बरी करने के उच्च न्यायालय के फैसले के बाद, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने दिसंबर 2017 में सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया और दलील दी कि उन्हें मामले में मुकदमे का सामना करना चाहिए।मामले की सुनवाई जस्टिस सूर्यकांत और दीपांकर दत्ता की खंडपीठ करेगी। मामले में स्थगन 2017 में शुरू हुआ और अब तक इसे 33 बार स्थगित किया जा चुका है।हर बार ऐसा होने पर केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्ष आरोप लगाता है कि यह कुछ राजनीतिक कारणों से सीपीआई (एम) और भाजपा के बीच गुप्त समझौते का हिस्सा है।

मणिपुर हिंसा : महिला वकील की राहत बढ़ी, बिलकिस केस में दोषियों की सजा पर सात को सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मणिपुर पुलिस द्वारा एक तथ्य–खोज मिशन के सदस्यों के कथित बयानों पर दर्ज की गई एफआ-ईआर के संबंध में एक महिला वकील को दी गई गिरफ्तारी से सुरक्षा की अवधि को चार सप्ताह के लिए बढ़ा दिया।

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने महिला वकील दीक्षा द्विवेदी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे से आगे की राहत के लिए सक्षम क्षेत्राधिकार वाली अदालत से संपर्क करने को कहा। मामले का निपटारा करते हुए पीठ ने कहा कि द्विवेदी मणिपुर की एक अदालत के समक्ष वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से पेश हो सकती हैं और शिकायत की स्थिति में वह फिर से शीर्ष अदालत का रुख कर सकती हैं।

मणिपुर सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस दलील का विरोध करते हुए कहा कि अगर इलाहाबाद की एक वकील "हिंसा भड़काने" के लिए राज्य का दौरा कर सकती है, तो वह शारीरिक रूप से भी वहां की अदालत में पेश हो सकती है। उन्होंने कहा कि यह एक वकील का मामला है, जो यहां भाषण देने के बाद मणिपुर चली गईं और अब वह अदालत के सामने वहां नहीं आना चाहतीं।

शीर्ष अदालत ने पहले 11 जुलाई को वकील को दंडात्मक कार्रवाई से बचाया था और बाद में टीम के सदस्यों की कथित टिप्पणियों पर मणिपुर पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर के संबंध में राहत को 17 जुलाई तक बढ़ा दिया था। द्विवेदी ने टिप्पणी की थी कि राज्य में जातीय हिंसा "राज्य द्वारा प्रायोजित" थी। .

सीपीआई नेता और नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन वुमेन (एनएफआईडब्ल्यू) की महासचिव एनी राजा सहित तथ्य–खोज समिति के सदस्यों के खिलाफ आठ जुलाई को एफआईआर दर्ज की गई थी। जिन दंडात्मक धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी उनमें देश के खिलाफ युद्ध छेड़ने से संबंधित धारा भी शामिल थी।

इससे पहले पीठ ने कहा था, 14 जुलाई, 2023 की शाम पांच बजे तक इंफाल पुलिस स्टेशन में दर्ज आठ जुलाई, 2023 की एफआईआर के अनुसरण में याचिकाकर्ता के खिलाफ कोई दंडात्मक कदम नहीं उठाया जाएगा। द्विवेदी महिला वकीलों के संघ, नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन वुमेन (एनएफआईडब्ल्यू) की तीन सदस्यीय तथ्य–खोज टीम का हिस्सा थीं।

10 जुलाई को शीर्ष अदालत ने राज्य में हिंसा पर कई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए कहा था कि यह राज्य में तनाव बढ़ाने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला मंच नहीं है। साथ ही अदालत ने संघर्षरत जातीय समूहों से अदालती कार्यवाही के दौरान संयम बरतने को कहा था।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 2002 के गुजरात दंगों के दौरान बिलकिस बानो सामूहिक दुष्कर्म और उसके परिवार के सदस्यों की हत्या के मामले में सभी 11 दोषियों को पिछले साल दी गई सजा में छूट को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई शुरू करने के लिए सात अगस्त की तारीख तय की। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने कहा कि दलीलें पूरी हो चुकी हैं और सभी दोषियों को समाचार पत्र प्रकाशनों के माध्यम से या सीधे नोटिस दिए गए हैं।

पीठ ने कहा, हमारा मानना है कि मामले में दलीलें पूरी हो चुकी हैं और सभी उत्तरदाताओं को सभी मामलों में समाचार पत्रों के प्रकाशनों के माध्यम से या सीधे तौर पर नोटिस दिए गए हैं। हम मामले को सात अगस्त को अंतिम सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करते हैं। सभी पक्षों को संक्षिप्त लिखित दलील, सारांश और तारीखों की सूची दाखिल करनी होगी।

इससे पहले शीर्ष अदालत ने नौ मई को उन दोषियों के खिलाफ गुजराती और अंग्रेजी सहित स्थानीय समाचार पत्रों में नोटिस प्रकाशित करने का निर्देश दिया था, जिन्हें नोटिस नहीं दिया जा सका, जिसमें वह व्यक्ति भी शामिल था, जिसके घर पर स्थानीय पुलिस ने ताला लगा हुआ पाया था और उसका फोन भी बंद था। सभी 11 दोषियों को गुजरात सरकार ने छूट दे दी थी और पिछले साल 15 अगस्त को रिहा कर दिया गया था। इसके बाद बानो ने दोषियों को दी गई सजा में छूट को चुनौती देते हुए एक रिट याचिका दायर की है।

सजा में छूट के खिलाफ माकपा नेता सुभाषिनी अली, स्वतंत्र पत्रकार रेवती लाल, लखनऊ विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति रूप रेखा वर्मा सहित कई अन्य ने जनहित याचिकाएं दायर की हैं। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा ने भी दोषियों को दी गई सजा में छूट और रिहाई के खिलाफ जनहित याचिका दायर की है। बता दें कि गोधरा ट्रेन अग्निकांड की घटना के बाद भड़के दंगों के दौरान बानो से सामूहिक दुष्कर्म किया गया था। बानो तब 21 साल की थी और पांच महीने की गर्भवती थी। दंगों में उसकी तीन साल की बेटी समेत परिवार के सात सदस्यों को मार दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने गौहाटी उच्च न्यायालय के एक आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर सोमवार को असम सरकार और अन्य से जवाब मांगा। उच्च न्यायालय ने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा के मई 2021 में शासन की बागडोर संभालने के बाद से हुई सिलसिलेवार पुलिस मुठभेड़ों पर एक जनहित याचिका खारिज कर दी थी। न्यायमूर्ति एस रवींद्र भट और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की पीठ ने वकील आरिफ मोहम्मद यासीन जवादर द्वारा दायर अपील पर राज्य सरकार, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग और अन्य को नोटिस जारी किए।

गौहाटी उच्च न्यायालय ने 27 जनवरी को जनहित याचिका खारिज कर दी थी और कहा था कि किसी अलग जांच की आवश्यकता नहीं है क्योंकि राज्य सरकार पहले से ही प्रत्येक मामले में अलग से जांच कर रही है। मामले में एक सरकारी हलफनामे का हवाला देते हुए अदालत ने कहा कि मई 2021 और अगस्त 2022 के बीच 171 घटनाओं में 56 लोग मारे गए, जिनमें से चार व्यक्ति हिरासत में मारे गए।

नोवाक को हराने का सपना पूरा हुआ : अल्काराज

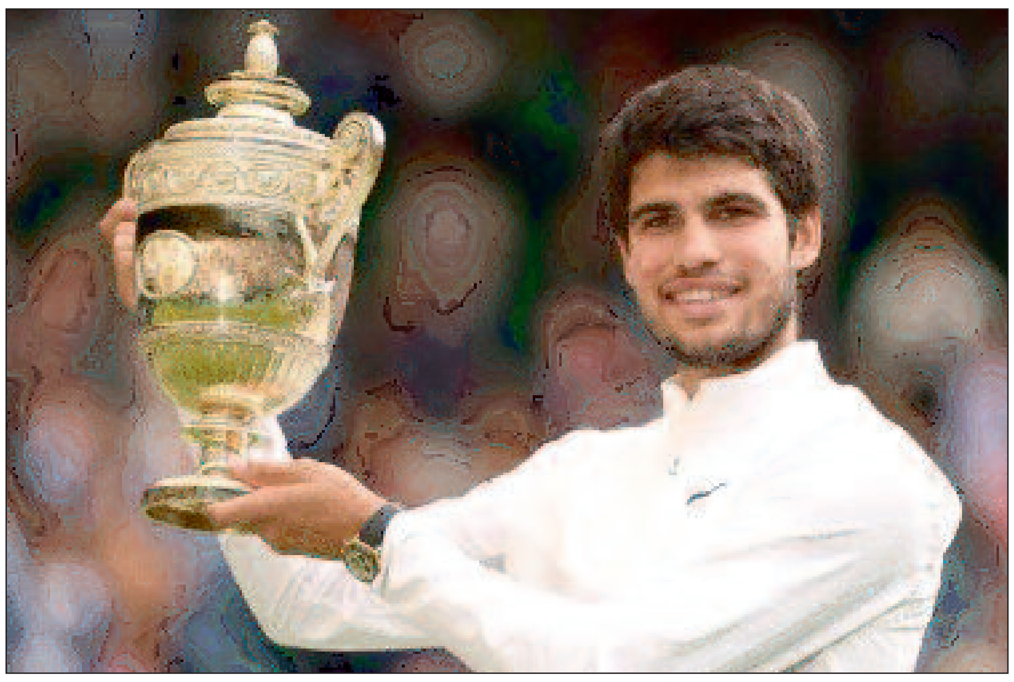

लंदन ,। अपना पहला विंबलडन खिताब जीतने के बाद 20 वर्षीय कालोस अल्कराज ने खुलासा किया कि जब से उन्होंने टेनिस खेलना शुरू किया, तब से वह नोवाक जोकोविच को हराने और विंबलडन चैंपियनशिप जीतने का सपना देखते थे।

सात बार के विंबलडन चैंपियन जोकोविच ने 2013 के बाद से सेंटर कोर्ट पर कोई मैच नहीं हारा था, लेकिन अल्कराज ने रोमांचक पांच सेटों में 1-6, 7-6(6), 6-1, 3-6, 6-4 से जीत कर ग्रास-कोर्ट पर सर्वियाई खिलाड़ी के प्रभुत्व को समाप्त कर दिया।

अल्कराज ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, आज मैंने जो इतिहास रचा, वह मेरे जीवन का सबसे खुशी का पल है। मुझे लगता है कि यह लंबे समय तक नहीं बदलेगा। नोवाक को हराना, विंबलडन चैंपियनशिप जीतना, कुछ ऐसा है जिसका मैंने तब से सपना देखा था जब मैंने टेनिस खेलना शुरू किया था। यही कारण है कि यह पल मेरे जीवन का सबसे बड़ा क्षण है।

उन्होंने कहा, नोवाक को उसके पीक पर हराना, इतिहास बनाना, उस कोर्ट पर 10 साल तक अजेय रहने वाले को हराने वाला खिलाड़ी बनना, मेरे लिए आश्चर्यजनक है। यह कुछ ऐसा है जिसे मैं कभी नहीं भूलूंगा। अल्कराज ने आगे कहा कि उन्हें उम्मीद है कि उनकी जीत अगली पीढ़ी को प्रेरित करेगी।

उन्होंने कहा, यह नई पीढ़ी के लिए भी बहुत अच्छा है, मुझे लगता है कि मैं उन्हें यह सोचने पर मजबूर करूंगा कि वे भी ऐसा कर सकते हैं। यह मेरे लिए बहुत अच्छा है और मैं युवा खिलाड़ियों के लिए भी ऐसा सोचता हूं। अल्कराज ओपन एरा (1968 से) में 21 साल की उम्र से पहले कई प्रमुख खिताब जीतने वाले पांचवें खिलाड़ी बन गए।

अल्कराज ने कहा, मैं रोलैंड गैरो से बिल्कुल अलग हूं। मैं उस पल के बाद से काफी बड़ा हो गया हूं। मैंने उस पल से बहुत कुछ सीखा है। जैसा कि मैंने फाइनल से पहले कहा था, मैंने उस मैच से सबक लिया। मैंने मैच से पहले कुछ अलग किया। मैंने मैच से पहले मानसिक रूप से कुछ अलग तैयारी की। मैं रोलांड गैरो की तुलना में दबाव से बेहतर तरीके से निपट सका।

स्पष्ट रूप से घास कोर्ट क्ले से अलग है। मैंने हार नहीं मानी, मैंने आखिरी गेंद तक संघर्ष किया। मुझे लगता है कि हर गेंद पर हमने शानदार रैलियां बनाईं, शानदार अंक बनाए। यह एक लंबा मैच था। मुझे लगता है कि इतने लंबे मैच में मानसिक रूप से संतुलन बनाना काफी अहम है।

हालांकि, रविवार की जीत अल्कराज की 23 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन जोकोविच के खिलाफ पहली बड़ी जीत थी, और उन्हें लगता है कि यह एक ऐसा परिणाम है जो उन्हें भविष्य में उनका आत्मविश्वास बढ़ाएगा। अल्कराज ने कहा, इस मैच से पहले, मैंने सोचा था कि मैं नोवाक को नहीं हरा सकता। लेकिन इस मैच के बाद मैं नोवाक के बारे में अलग सोचता हूं जैसे शायद अन्य टूर्नामेंटों में, अन्य ग्रैंड स्लैम में, मैं इस पल को याद रखूंगा। अल्कराज के खिलाफ जोकोविच का खिताबी मुकाबला एक शानदार प्रदर्शन था, जिसमें चैंपियन ने ट्रॉफी के साथ नंबर 1 एटीपी रैंकिंग पाई।

यूएस ओपन : लक्ष्य सेन के सेमीफाइनल में हार के बाद भारतीय चुनौती समाप्त

काउंसिल ब्लफ्स । लक्ष्य सेन के पुरुष एकल सेमीफाइनल में हारने के बाद यूएस ओपन 2023 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की चुनौती समाप्त हो गई है।

वर्तमान में बीडब्ल्यूएफ बैडमिंटन रैंकिंग में 12वें स्थान पर मौजूद लक्ष्य बीती रात को बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में चीन के ली शी फेंग से 17-21, 24-22, 17-21 से हार गए।

लक्ष्य की शुरुआत धीमी रही और दुनिया के 7वें नंबर के खिलाड़ी ली शी फेंग ने 15-9 की बढ़त बना ली। भारतीय शटलर ने वापसी की कोशिश की लेकिन फेंग को बढ़त लेने से नहीं रोक सके। दूसरा गेम काफी करीबी मुकाबला था, जिसमें कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 के चैंपियन सेन और मौजूदा ऑल इंग्लैंड चैंपियन ली शी फेंग दोनों आमने-सामने थे।

स्कोर 11-11 से बराबर होने पर, भारतीय खिलाड़ी ने मैच पर कब्ज़ा करने की कोशिश में कई स्मैश लगाए लेकिन चीनी शटलर ने खेल में बने रहने के लिए अच्छा बचाव किया। भारतीय शटलर ने अंतिम क्षणों में अपने खेल में सुधार किया और मैच को अगले गेम में ले गए। हालांकि, लक्ष्य तीसरे गेम में लय बरकरार रखने में नाकाम रहे और ली शी फेंग से 14-8 से पिछड़ गए। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने वापसी करते हुए अंतर को 17-15 तक कम कर लिया, लेकिन ली शी फेंग को जीतने से नहीं रोक सके।

हार के बावजूद, लक्ष्य का ली शी फेंग पर 5-4 का रिकॉर्ड है। पिछले हफ्ते कनाडा ओपन के फाइनल में भारतीय खिलाड़ी ने ली शी फेंग को हराया था। भारतीय शटलर अगले कोरिया ओपन में भाग लेंगे, जो 18 से 23 जुलाई तक होना है।

आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने मणिपुर में शांति, सद्भाव की अपील की

इंफाल ,। महान एथलीट और राज्यसभा सदस्य पी.टी. उषा ने मणिपुर में शांति और सद्भाव की अपील की, जहां जातीय हिंसा ने 150 से अधिक लोगों की जान ले ली है और 600 से अधिक अन्य घायल हो गए हैं। उषा भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष भी हैं, उन्होंने मणिपुर के लोगों को एक खुले पत्र में कहा : आइए, एक साथ मिलकर प्रगति करें, आइए, उन मुस्कुराहट को वापस लाएं और बेहतर भविष्य के लिए सद्भाव व आशा के साथ एक नए दिन की शुरुआत करें।

उन्होंने लिखा : हमारी ताकत हमारी ताकत है, हमारी सफलता हमारी समावेशी विविधता है। आज आइए प्रतिज्ञा करें कि हम शांति और सद्भाव का स्वागत करने के लिए खुद को समर्पित करके अपने मणिपुरी भाइयों और बहनों के दिल और दिमाग में उन मुस्कुराहट और गर्मजोशी को वापस लाएंगे।

शुक्रवार को लॉन्च किए गए भारत के चंद्रमा मिशन का जिक्रकरते हुए उषा ने कहा कि औद्योगिक विकास, विनिर्माण और प्रौद्योगिकी में भारत की सफलता की कहानी दुनिया को प्रेरित कर रही है।

उन्होंने कहा, विकास के हमारे पथ में हम एक हैं, हम भारतीय हैं और भारतीय वही हैं जो हम सभी हैं। एक एथलीट के रूप में मेरे करियर और मेरी विनम्र उपलब्धियों का सभी ने जश्न मनाया और मेरे पदक सभी भारतीयों की महत्वाकांक्षाओं को दर्शाते हैं।

उन्होंने कहा, एम.सी. मेरी कॉम, कुंजारानी देवी, सरिता देवी, मीराबाई चानू, देवेंद्रो सिंह, संजीता चानू, लैरेम्बम ब्रोजेशोरी, खुमुजम टोम्बी, लिकमाबम सुशीला, लिनथोई चानंबम, लैशराम बोम्बायला, पुखरामबम सुशीला चानू, बाला देवी जैसे अत्यधिक कुशल और मेहनती मणिपुरी, एलंगबाम पंथोई चानू, मोइरांगथेम मंदाकिनी देवी और ओइनम बेमबेम और हमारे प्रिय दिवंगत डिंग्को सिंह ने देश के लिए कई पदक जीते।आईओए अध्यक्ष ने कहा, उनकी जीत और सफलता लाखों भारतीयों को उत्कृष्टता हासिल करने और उनके सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करती है और मणिपुर के इन दिग्गजों को भारत की बहुमूल्य संपत्ति और हमारे मुकुट रत्नों के रूप में सम्मानित किया जाता है।

उन्होंने यह भी कहा कि लोकतंत्र की जननी के रूप में भारत एक ऐसा राष्ट्र है, जहां विभिन्न जातियों, धर्मों और भाषाओं के लोग सद्भाव से रहते हैं, और आत्मविश्वास के इस नए युग में एक साथ प्रगति करते हैं।

खेल जगत में पसरा मातम, क्रिकेट मैदान पर हार्ट अटैक आने से खिलाड़ी की हुई मौत

नई दिल्ली ,। क्रिकेट जगत से एक बेहद बुरी खबर सामने आई है। क्रिकेट मैच खेलने के दौरान गुजरात के एक खिलाड़ी की मौत हो गई। इस खबर को जिसने भी सुना, वो सन्न रह गया।

यह मामला गुजरात के अरावली से जुड़ा है, जहां एक 20 साल के युवा ने दिल का दौरा पड़ने के बाद अपनी जान गंवा दी। खिलाड़ी का नाम पर्व सोनी बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, अरावली में मोडासा के दीप इलाके में गोवर्धन सोसायटी के तीर्थ अपार्टमेंट का रहने वाला पर्व सोनी इस हादसे का शिकार हो गया। पर्व सोनी को क्रिकेट मैच खेलने के दौरान दिल का दौरा पड़ा। इसकी कारण वह मैदान पर ही गिर गया। बाद में उसकी मौत हो गई। वह इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा था। इस खबर को सुनकर पर्व के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

इससे पहले भी गुजरात से इसी तरह की खबर सामने आई थी। अहमदाबाद में एक क्रिकेट मैच के दौरान जीएसटी कर्मचारी की हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। वो मुकाबला जीएसटी कर्मचारी और जिला पंचायत के कर्मचारियों के बीच हो रहा था।

पीवी सिंधु ने कहा, यूएस ओपन क्वार्टर फाइनल हार का मुझ पर गहरा असर पड़ा है

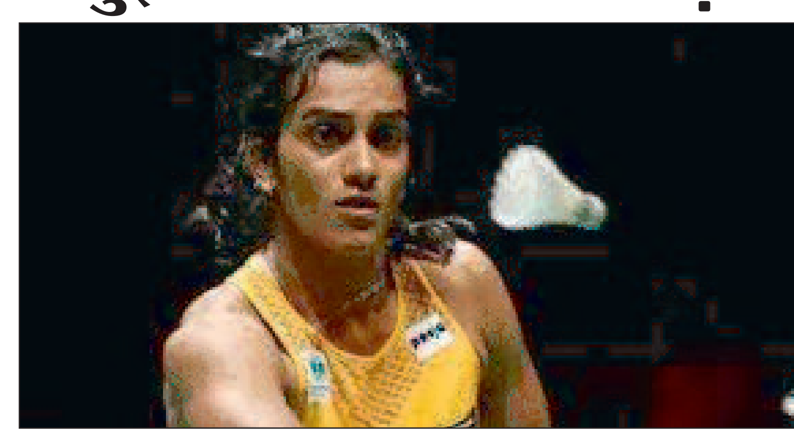

नई दिल्ली ,। शीर्ष भारतीय शटलर पीवी सिंधु ने कहा है कि यूएस ओपन में गाओ फैंग जी से चर्टर फाइनल में मिली हार का उन पर गहरा भावनात्मक प्रभाव पड़ा है। अमेरिका के काउंसिल ब्लफ्स में सुपर 300 टूर्नामेंट में सिंधु को शुक्रवार को चीन की फैंग जी के खिलाफ 20-22, 13-21 से हार का सामना करना पड़ा।सिंधु ने इंस्टाग्राम पर चर्टर फाइनल में फैंग जी की सराहना करते हुए कहा कि चीनी खिलाड़ी, जिसे उन्होंने इस महीने की शुरुआत में कनाडा ओपन चर्टर फाइनल में हराया था, ने इस बार अपनी कमजोरियों से सबक सीख कर उन्हें हरा दिया। सिंधु ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, मेरी यूएस ओपन यात्रा चर्टर फाइनल में समाप्त हुई, जहां मेरा सामना प्रतिभाशाली गाओ फेंग जी से हुआ। पहले कनाडा में उसे हराने के बावजूद, उसने इस बार मेरी कमजोरियों का प्रभावी उपयोग करते हुए मुझे सीधे सेटों में हरा दिया। अगली बार जब मैं गाओ से सामना करूंगी तो एक बड़ी लड़ाई होगी। उन्होंने आगे कहा, इस हार ने मुझ पर एक महत्वपूर्ण भावनात्मक प्रभाव छोड़ा है। प्रत्येक सफल टूर्नामेंट के बाद हार का अनुभव करना निराशाजनक है। हालांकि, मैं अपने प्रयासों को दोगुना करने और वर्ष के शेष भाग को वास्तव में उल्लेखनीय बनाने के लिए प्रतिबद्ध हूं।

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता ने लक्ष्य सेन को बधाई देते हुए कहा कि उनके प्रभावशाली प्रदर्शन को देखना वास्तव में प्रेरणादायक रहा है। सेन की यात्रा उन्हें सेमीफाइनल तक ले गई, हालांकि उन्हें अंतिम चैंपियन ली शी फेंग के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा, मैं लक्ष्य के लिए अपनी वास्तविक खुशी व्यक्त करना चाहती हूं, जो कठिनाइयों का सामना करने के बावजूद असाधारण प्रदर्शन कर रहा है। उसके मजबूत प्रदर्शन को देखना वास्तव में प्रेरणादायक रहा है।

फिल्मी सफर

वरुण धवन की फिल्म बवाल का नया गाना दिल से दिल तक जारी

फिल्म बवाल पिछले कुछ दिनों से सुर्खियों में है। यह फिल्म इसलिए भी खास है क्योंकि इसके जरिए वरुण धवन और जाह्नवी कपूर की जोड़ी पहली बार दर्शकों के सामने आ रही है। जहां कुछ दिन पहले निर्माताओं ने बवाल का पहला गाना तुम्हें कितना प्यार करते जारी किया था, वहीं अब फिल्म का दूसरा गाना दिल से दिल तक सामने आ चुका है। इस गाने को लक्ष्य कपूर, आकाशदीप सेनगुप्ता और सुवर्णा तिवारी ने अपनी आवाज दी है।

जाह्नवी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर दिल से दिल तक गाना साझा किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, छलक गए नैना, तूने मन भर दिया। मेरे खाली से दिल को यूं, तूने घर कर दिया। नितेश तिवारी ने बवाल के निर्देशन की कमान संभाली है, वहीं साजिद नाडियाडवाला इसके निर्माता हैं। बवाल अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। इसका प्रीमियर 21 जुलाई को किया जाएगा। बवाल एफिल टावर पर दिखाई जाने वाली पहली भारतीय फिल्म बनने वाली है।

इस फिल्म के जरिए वरुण धवन और जाह्नवी कपूर पहली बार स्क्रीन शेयर करने जा रहे हैं। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में वरुण धवन ने बताया कि, इस फिल्म का किरदार उनका अभी तक का सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार है। जिसके बाहर और अंदर दोनों तरफ बवाल मचा होता है। साथ ही ये भी कहा कि ये रोल हमेशा उनके दिल के करीब रहेगा। वहीं ट्रेलर के बाद अब फैंस फिल्म के रिलीज होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। मालूम हो कि जाह्नवी कपूर इसके बाद मिस्टर एंड मिसेज माही, देवारा, बड़े मियां छोटे मियां जैसी फिल्मों में भी नजर आने वाली हैं।

अदा खान ने शिमरी गाउन में अपनी हॉटनेस से लूटी महफिल, फोटो ने फैंस की बढ़ाई धड़कनें

टीवी एक्ट्रेस अदा खान अपनी कातिलाना अदाओं से फैंस के दिलों को बेताब किए रहती हैं। उनकी स्टाइलिश तस्वीरें फैंस को काफी पसंद आती हैं। वहीं, लेटेस्ट शिमरी गाउन में एक्ट्रेस अदा खान ने बेहद ही बोल्ड पोज दिए। एक्ट्रेस अदा खान की जबरदस्त एक्टिंग और सोशल मीडिया पर बोल्डनेस फैंस के दिलों का पारा हाई किए रहती है। अदा शर्मा कई टीवी शोज और सीरियल में नजर आ चुकी हैं, फैंस उनके अभिनय के दीवाने हैं। एक्ट्रेस अदा खान ने मैरून कलर के गाउन में बेहद ही हसीन पोज दिए, जो फैंस को काफी पसंद आ रहे हैं। हाई स्लिट शिमरी गाउन के साथ एक्ट्रेस अदा खान ने ओपन हेयर स्टाइल और हैवी मेकअप को कैरी कर रखा है। एक्ट्रेस ने साल 2009 में अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की। साथ ही आज वो टीवी इंडस्ट्री में काफी पॉपुलर एक्ट्रेस हैं। अदा खान ने बहनें, अमृत मंथन और नागिन जैसे टीवी सीरियल्स में काम किया है। साथ ही वो खतरों के खिलाड़ी सीजन 10 में भी नजर आ चुकी हैं। अदा खान भले ही इन दिनों टीवी सीरियल्स से दूरी बनाए हुए हैं।

राम चरण की गेम चेंजर का निर्देशन नहीं करेंगे शंकर शनमुघम ? सामने आई यह जानकारी

राजामौली की आरआरआर के बाद अभिनेता रामचरण की अगली फिल्म निर्देशक शंकर की गेमचेंजर है, जो पिछले काफी लम्बे समय से बन रही है। यह फिल्म आगामी वर्ष संक्रांति के अवसर पर प्रदर्शित होने वाली है। इस फिल्म की शूटिंग में देरी होते हुए देख निर्माता दिल राजू ने बड़ा कदम उठाते हुए एक अन्य निर्देशक की सेवाएँ ली हैं। बताया जा रहा है कि अब फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी शैलेश कोलानु को दी गई है। गौरतलब है कि रामचरण की यह फिल्म लगातार कई वजहों से देरी का सामना कर रही है। जिस वजह से फिल्म को तय वक्त पर रिलीज करना थोड़ा मुश्किल नजर आ रहा था। ऐसे में फिल्म के निर्माता दिल राजू ने एक बड़ा कदम उठाया और फिल्म को एक नया निर्देशक मिल गया है। एंटरटेनमेंट पोर्टल फिल्मीबीट की एक रिपोर्ट की मानें तो रामचरण और कियारा आडवाणी स्टारर फिल्म गेमचेंजर को पूरा करने के लिए मेकर्स ने हिट निर्देशक शैलेश कोलानु को टीम में शामिल किया है। मिली जानकारी के मुताबिक शैलेश कोलानु को निर्माताओं ने फिल्म के कुछ अहम फाइट सीक्वेंस शूट करने के लिए चुना है। जो निर्देशक शंकर की गैर मौजूदगी में फिल्म के दूसरे हिस्से के कुछ एक्शन सीन्स शूट करेंगे। बाकी फिल्म के सभी मुख्य सीन्स निर्देशक शंकर ने ही निर्देशित किए हैं। ये कदम निर्माताओं ने फिल्म की शूटिंग में हो रही देरी को खत्म करने और फिल्म को तय वक्त तक पूरा करने के लिए उठाया है।

राम चरण और निर्देशक शंकर की ये फिल्म अगले साल संक्रांति पर रिलीज होने की तैयारी में हैं। ऐसे में जरूरी है कि फिल्म तय वक्त तक पूरी हो सके। निर्देशक शंकर और राम चरण दोनों के ही दूसरे प्रोफेशनल कमिटमेंट्स और निजी वजहों से भी इस फिल्म की शूटिंग में देर हुई है। इस फिल्म के अलावा निर्देशक शंकर कमल हासन स्टारर फिल्म इंडियन 2 में भी बिजी हैं। ये भी एक पैन इंडिया रिलीज फिल्म है।

सनी लियोनी नए फिल्म प्रोजेक्ट के लिए तैयार, इंस्टाग्राम पर शेयर की तस्वीर

इन दिनों बॉलीवुड एक्ट्रेस सनी लियोनी बैक-टू-बैक फिल्मों में व्यस्त हैं। सनी अब अपने अगले प्रोजेक्ट की ओर बढ़ चुकी हैं, जिसकी झलक उन्होंने शनिवार को अपने सोशल मीडिया पर दिखाई है। जिससे उनके फैंस के बीच खुशी की लहर दौड़ गई। सनी लियोनी ने इंस्टाग्राम पर अगले प्रोजेक्ट की स्क्रिप्ट को पढ़ते हुए अपनी एक फोटो शेयर की है। जिसमें वह काले और सफेद धारीदार टॉप पहने हुए नजर आ रही हैं। सनी ने फोटो के कैप्शन में लिखा, दैट इज वन ह्यूज स्क्रिप्ट.. गोईंग टू बी ग्रेट.. । सनी के पोस्ट को दो लाख से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं। सनी को फिल्म कैनेडी में उनकी परफॉर्मेंस के लिए काफी सराहना मिल रही है। यही नहीं कान्स फिल्म फेस्टिवल में ग्लोबल ऑडियंस ने फिल्म के सम्मान में सात मिनट का लंबा स्टैंडिंग ओवेशन भी दिया। कैनेडी के अलावा, एक्ट्रेस के पास कई प्रोजेक्ट लाइन में हैं, जो इस साल के अंत तक रिलीज़ होंगे।

नानी 30 से जारी हुआ नानी का पहला लुक, हाय नन्ना है फिल्म का नाम

दक्षिण भारतीय सिनेमा के जाने-माने अभिनेता नानी को पिछली बार दसरा में देखा गया था। 30 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया था। मौजूदा वक्त में नानी अपनी आने वाली फिल्म नानी 30 को लेकर चर्चा में है। फिल्म को लेकर तरह-तरह की जानकारी सामने आती रहती है। अब नानी की इस फिल्म से उनके लुक के साथ ही इसके टाइटल की घोषणा हो गई है।

शौरयुव द्वारा निर्देशित इस फिल्म का नाम हाय नन्ना रखा गया है। इसमे नानी की जोड़ी मृणाल ठाकुर के साथ बनी है। दोनों इन दिनों फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। मृणाल ने इंस्टाग्राम पर हाय नन्ना का पोस्टर साझा किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, प्रतीक्षा समाप्त हुई। हाय नन्ना की हमारी प्यारी-सी दुनिया की एक झलक। इस दिल छू लेने वाली कहानी को बड़े पर्दे पर देखने के लिए आप सभी का इंतजार नहीं कर सकती।

फिल्म को एक पारिवारिक मनोरंजक फिल्म माना जा रहा है और यह पूरे भारत में पांच भाषाओं में रिलीज होगी। यह फिल्म 21 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस बीच मृणाल की तीसरी तेलुगु फिल्म, जो फिलहाल अनटाइटल है और जिसकी जल्द ही शूटिंग शुरू होगी, का हाल ही में मुहूर्त हुआ, जहां एक्ट्रेस को विजय देवराकोंडा के साथ देखा गया। फिल्म के टाइटल और स्टोरी के संबंध में अधिक जानकारी फिलहाल गोपनीय है और जल्द ही इसे सामने लाया जाएगा। फिल्म का निर्देशन परसुराम पेटला द्वारा और इसका निर्माण श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स द्वारा किया जा रहा है।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
-सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382-222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com